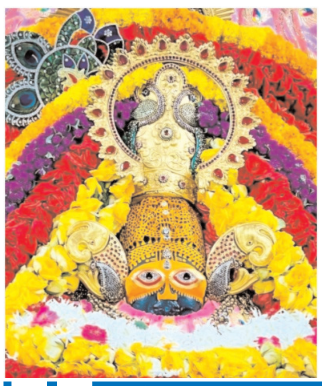

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:283। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 04 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

6 मंजिला होटल में आग, 21 की मौत

• इनमें 11 विदेशी और 10 भारतीय नागरिक; बिना फायर NOC चल रहा था होटल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी क्क्षद्ध के मुताबिक मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। एजेंसी ने पहले ये आंकड़ा 17 बताया था। जानकारी के मुताबिक, मृतक 10 भारतीयों में से 8 आपस में रिश्तेदार थे। इनमें 3 राजस्थान के और 5 हरियाणा के रहने वाले थे। हादसे में कुल 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 19 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट

तक पहुंच गई। वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। होटल से 40 लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने मालवीय नगर अग्निकांड पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने दिल्ली के मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट कर मालवीय नगर अग्निकांड पर दुख जताते हुए कहा कि इस घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की साथ ही घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आग में लोगों की मृत्यु पर दुखद जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में उन्हें शक्ति और साहस मिले। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने की घटना से मन अत्यंत व्यथित है। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मालवीय नगर अग्निकांड को हृदयविदारक बताते हुए इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हादसे में घायल हुए सभी नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला मामले में तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रोशन आनंद तथा उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव शामिल हैं। पुलिस तीनों से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है।पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद तथा उनके दोनों सहयोगियों को हिरासत में लिया गया था। बाद में पूछताछ और साक्ष्यों की पुष्टि होने के बाद तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। टाउन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-1) राजेश रंजन ने बुधवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस निष्पक्ष रूप से साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की

पहचान भी की जा रही है।तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद शहर में इस कार्रवाई को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि पूरी कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों और जांच के आधार पर की गई है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाएगा।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

एजेंसी

चंडीगढ़ । ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। TMC ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

तृणमूल कांग्रेस की टूट पर बोले अधीर रंजन चौधरी - खेल वही है, सिर्फ अंपायर बदल गया है

कोलकाता। एक दौर में कांग्रेस को तोड़कर तृणमूल का गठन करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी में मची टूट पर पूर्व कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि अब वही खेल हो रहा है। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस दल-बदल और राजनीतिक खेल की शुरुआत कभी ममता बनर्जी ने की थी, आज वही खेल उनके खिलाफ खेला जा रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब अंपायर और रेफरी बदल गए हैं। बहरमपुर में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल में जारी टूट को लेकर कहा कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में विधानसभा के भीतर कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका निभाने से रोकने का प्रयास किया गया था और उस समय ममता बनर्जी स्वयं इस राजनीतिक खेल की निर्णायक थीं। पूर्व सांसद ने कहा कि जिस दल-बदल के खेल की शुरुआत एक दिन आपने की थी और कहा था कि खेला होगा।

सनसनीखेज खुलासाः खाकी की आड़ में निजी दफ्तर से वसूली का खेल! यूनिवर्सिटी थाने का कर्मचारी 'गिरी' सुर्खियों में...

अवैध शराब कारोबार और वसूली तंत्र को लेकर पुलिस महकमे पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस महकमे की साख पर बट्टा लगाने वाला और कानून-व्यवस्था को ठेंगे पर रखने वाला एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर में 'वहीवटदार' (अवैध वसूली करने वाले) के रूप में जिसका नाम तेजी से गूंज रहा है, वह 'गिरी' किसी निजी कंपनी में काम नहीं करता, बल्कि खुद पुलिस विभाग का एक आधिकारिक कर्मचारी है! सबसे हैरान और शर्मसार करने वाली बात यह है कि खाकी वर्दी की तनख्वाह लेने वाला यह सरकारी मुलाजिम थाने में ड्यूटी करने के बजाय वाडज पुलिस चौकी के पास स्थित एक गुप्त निजी दफ्तर में डेरा जमाए बैठा रहता है। यहीं से वह पूरे शहर के बूटलेगरों (शराब माफियाओं) और अपराधियों के साथ रोजाना लाखों रुपये का काला कारोबार खुलेआम संभालता है।

गुलबाई टेकड़ा में मौत का सामानः केमिकल युक्त शराब और स्पा की आड़ में 'पाप नगरी'!

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, पुलिस महकमे के इस कथित वसूलीबाज के संरक्षण के चलते गुलबाई टेकड़ा इलाका अपराध का गढ़ बन चुका हैः केमिकल युक्त जहरीली देसी शराबः इस इलाके में बिकने वाली देसी शराब साधारण नहीं, बल्कि बेहद खतरनाक केमिकल से तैयार की जाती है। यह कभी भी बड़े 'लठ्ठाकांड' (जहरीली शराब कांड) को अंजाम देकर बेकसूर नागरिकों की जान ले सकती है।

विदेशी शराब की अवैध कटिंगः इस कथित कर्मचारी की सीधी सांठगांठ से विदेशी शराब के बड़े जत्थों और कंटेनरों की कटिंग (अवैध अनलोडिंग) यहां रातों-रात की जाती है।

स्पा की आड़ में जिस्मफरोशीः हेल्थ और वेलनेस स्पा के बोर्ड टांगकर अंदर खुलेआम हाई-प्रोफाइल देह व्यापार का धंधा फल-फूल रहा है।

बड़ा सवालः क्या स्थानीय थाना प्रभारी को जनता की परेशानियों को दूर करने में कोई दिलचस्पी नहीं है? क्या वे केवल समय पर पहुंचने वाले 'मोटे हिस्से' (कमीशन) की उगाही में ही मस्त हैं?

सिस्टम के आका खामोशः PCB, क्राइम ब्रांच और DCP स्क्वाड क्यों लाचार?

पुलिस विभाग का एक छोटा सा कर्मचारी सरकारी दफ्तर छोड़कर निजी ऑफिस से इतना बड़ा नेटवर्क चलाए, यह किसी बड़े सियासी या प्रशासनिक वरदहस्त के बिना मुमकिन नहीं है। गलियारों में चर्चा तो यहां तक है कि गिरी पर एसपी रैंक के शीर्ष अधिकारियों और पुलिस विभाग के बड़े चेहरों का सीधा हाथ है। यही वजह है कि स्टेट मॉनिटरिंग सेल, पीसीबी, क्राइम ब्रांच या डीसीपी स्क्वाड जैसी बड़ी एजेंसियां भी इन ठिकानों पर छापेमारी करने से कतराती हैं। इस वसूलीबाज का नेटवर्क इतना मजबूत है कि वह नीचे से लेकर ऊपर तक नियमित रूप से 'कमीशन' पहुंचा देता है।

करोड़ों के आलीशान बंगले और लग्जरी गाड़ियांः खाकी की तनख्वाह में इतनी दौलत कहां से आई?

सालों से विवादों में रहे इस पुलिस कर्मचारी गिरी की अचल संपत्ति देखकर बड़े-बड़े अफसर भी दांतों तले उंगली दबा लेते हैं। पुलिस महकमे की सरकारी सैलरी पर निर्भर रहने वाले इस शख्स के पास आज करोड़ों रुपये के बंगले, आलीशान लग्जरी गाड़ियां और करोड़ों की बेनामी जमीन का साम्राज्य कहां से आया? यह वाडज के उस प्राइवेट दफ्तर में होने वाली काली कमाई का जीता-जागता सबूत है।

थाना प्रभारी बावा ने अलापा 'अंजान' होने का राग!

जब इस पूरे काले कारनामे और गिरी के वसूली साम्राज्य को लेकर 'महानगर मेट्रो न्यूज़' द्वारा स्थानीय थाना प्रभारी बावा से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने हमेशा की तरह पल्ला झाड़ते हुए खुद को अंजान बताया। उन्होंने कहा, 'इस मामले में मुझे कोई जानकारी नहीं है और इलाके में चल रहे शराब या जुए के अवैध धंधों की बात भी मेरे संज्ञान में नहीं है।' अब सवाल यह उठता है कि जब पूरे इलाके में इतना बड़ा रैकेट चल रहा है, तो थाना प्रभारी इससे बेखबर कैसे रह सकते हैं?

'महानगर मेट्रो' का गृह विभाग और उप-मुख्यमंत्री को खुला चैलेंज

क्या राज्य के उप-मुख्यमंत्री और गृह मंत्रालय पुलिस महकमे के इस काली भेड़ के खिलाफ कोई सख्त कानूनी या विभागीय कार्रवाई करेंगे, जो खाकी की आड़ में अपराधियों से लाखों के सौदे कर रहा है? या फिर सिस्टम के आका इस खेल को यूं ही चलने देंगे? अगर इस केमिकल युक्त शराब से शहर में कोई बड़ी त्रासदी होती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? जनता अब इस काले चेहरे के खिलाफ सख्त एक्शन का इंतजार कर रही है।

पश्चिम बंगालः कैबिनेट के विभागों का बंटवारा टला

5 जून को हो सकता है ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार के विस्तारित मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे की घोषणा फिलहाल टाल दी गई है। पहले यह फैसला बुधवार को होने की संभावना थी, लेकिन अब इसके 5 जून को घोषित किए जाने की उम्मीद है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच विभागों के आवंटन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया बुधवार को आयोजित कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में पूरी नहीं हो सकी। यह नई सरकार की तीसरी कैबिनेट बैठक थी। कुछ तकनीकी कारणों से विभागों के बंटवारे पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया, जिसके बाद इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया। गौरतलब है कि 1 जून को कोलकाता स्थित लोक भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। इनमें 13 कैबिनेट मंत्री, तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 19 राज्य मंत्री शामिल थे। इन 35 मंत्रियों के शपथ लेने के बाद पश्चिम बंगाल मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित छह मंत्रियों ने शपथ ली थी। 13 नए कैबिनेट मंत्रियों के शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री समेत कैबिनेट रैंक के मंत्रियों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंत्रिपरिषद की अधिकतम संख्या 44 हो सकती है। ऐसे में अभी तीन और मंत्रियों को शामिल किए जाने की गुंजाइश बनी हुई है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि वित्त और उद्योग एवं वाणिज्य जैसे महत्वपूर्ण विभाग किसे सौंपे जाएंगे। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद स्पष्ट किया था ।

टीवीके ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट कांग्रेस को सौंपी

टीवीके ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट कांग्रेस को सौंपी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को घोषणा की कि 18 सितंबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए तमिलनाडु की एकमात्र सीट गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को आवंटित की गई है। टीवीके मुख्यालय से जारी एक संक्षिप्त बयान में विजय ने कहा कि तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत यह सीट कांग्रेस को दी गई है। राजनीतिक हलकों में इस फैसले को विपक्षी गठबंधन के भीतर तालमेल और एकजुटता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने चेन्नई में विजय से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद राज्यसभा सीटों के बंटवारे और दोनों दलों के बीच भविष्य की रणनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, बैठक में हुई चर्चा के बारे में किसी भी पक्ष ने आधिकारिक जानकारी नहीं दी, लेकिन राजनीतिक

विश्लेषकों को राज्यसभा चुनाव को लेकर किसी बड़े फैसले की उम्मीद थी। गठबंधन सूत्रों के अनुसार, चिदंबरम और विजय के बीच हुई बातचीत में सहयोगी दलों के बीच समन्वय तथा राज्यसभा चुनाव के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार तय करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। माना जा रहा है कि कांग्रेस को सीट आवंटित करने का फैसला उसी बातचीत का परिणाम है।

योगासन, प्राणायाम के जरिए स्वास्थ्य व पर्यावरण जागरूकता का दिया संदेश

लेह। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के पूर्व आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोवा रिग्पा (एनआईएसआर) साबू थांग (लद्दाख) में बुधवार को मिशन लाइफ के अंतर्गत कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस से पहले आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों का उद्देश्य लोगों में सतत जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम का विषय 'योग अभ्यास को सजग और कम-उपभोग वाली जीवनशैली से जोड़ना' था।

अभिषेक का पार्टी से कोई संबंध नहीं, ममता बनर्जी सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन दें : ऋतब्रत बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी संघर्ष के बीच नवमान्यता प्राप्त विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी का उनकी पार्टी से कोई संबंध नहीं है, जबकि ममता बनर्जी को वह एक वरिष्ठ नेता के रूप में पार्टी की मुख्य सलाहकार की भूमिका में देखना चाहते हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ऋतब्रत ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उनके साथ हमारी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। जनता के साथ भी उनका कोई जुड़ाव नहीं है। यदि ऐसा होता तो चुनावी हार के बाद वह 26 दिनों तक सार्वजनिक रूप से गायब नहीं रहते, बल्कि लोगों के बीच आते। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद हुई घटनाओं के दौरान अभिषेक बनर्जी जनता के समर्थन का दावा करते रहे, लेकिन बाद में अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखना पड़ा।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला

अभिषेक बनर्जी को ईडी का नोटिस

• 15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले की जांच कर रहे ईडी ने बुधवार को अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए समन जारी किया। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को 15 जून को कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को ईडी के दो अधिकारी दक्षिण कोलकाता के हरिश मुखर्जी रोड स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास 'शांतिनिकेतन' पहुंचे थे, ताकि उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन सौंपा जा सके। हालांकि, वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने अधिकारियों को बताया कि अभिषेक काफी समय से उस आवास में नहीं रह रहे हैं। इसके बाद ईडी अधिकारी कालीघाट रोड स्थित उनके दूसरे आवास पहुंचे, जो उनकी बुआ और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर के निकट स्थित है, लेकिन अभिषेक वहां भी मौजूद नहीं थे, जिसके कारण ईडी अधिकारी उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन नहीं दे सके। गौरतलब है कि स्कूल भर्ती मामले में समानांतर जांच कर रही सीबीआई की चार्जशीट में भी अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल था, हालांकि उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया था। इसी तरह ईडी की चार्जशीट में भी उनका उल्लेख किया गया है। ईडी सूत्रों

के अनुसार, मामले में उनकी कथित भूमिका को लेकर जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। 15 जून को उनका बयान दर्ज किया जाएगा। इस बीच, अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी ने भी 8 जून को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लिए आरक्षित महत्वपूर्ण पदों से संबंधित एक प्रस्ताव पर तृणमूल विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगतियों से जुड़ा है।

चेकडैम निर्माण की आड़ में अवैध रेत खनन का आरोप, ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग उठा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ईडर/साबरकांठा, (जाकिर मेमन)। साबरकांठा जिले के पोशीना तालुका स्थित दंत्राल गांव के पास नदी क्षेत्र में चेकडैम के साइड सशक्तिकरण कार्य की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन और बिक्री किए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पूरे मामले में खनन माफियाओं और खनिज विभाग के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत होने का भी आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, दंत्राल गांव के समीप नदी के ऊपरी हिस्से में पिछले कई दिनों से रात के समय अवैध रूप से रेत का खनन किया जा रहा है। आरोप है कि प्रतिदिन लगभग 40 से 45 ट्रकों में रेत भरकर विभिन्न स्थानों पर भेजी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि से सरकार को लाखों रुपये के राजस्व और रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है, वहीं नदी के प्राकृतिक पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पूरे अवैध कारोबार का संचालन कथित रूप से खनिज विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और 'अमरत' नामक व्यक्ति की सांठगांठ से किया जा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब रातभर भारी संख्या में ट्रकों की आवाजाही हो रही है, तो संबंधित विभाग कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा। इस मामले को लेकर क्षेत्र के आदिवासी परिवारों में भी भारी रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि यदि कोई गरीब व्यक्ति थोड़ी मात्रा में रेत का परिवहन करता है तो प्रशासन तत्काल कार्रवाई करता है, लेकिन बड़े स्तर पर चल रहे अवैध खनन के खिलाफ चुप्पी साध ली जाती है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई गई तो गांव के लोग आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

चलती ट्रेन में महिला को हुई प्रसव पीड़ा, सरकारी महिला डॉक्टर बनीं फरिश्ता; सुरक्षित कराया प्रसव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विरमगाम। डॉक्टरों को धरती पर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है और गुजरात के विरमगाम में घटी एक घटना ने इस कहावत को एक बार फिर सच साबित कर दिया। जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस में सफर कर रही एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में विरमगाम एसडीएच की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अदिति पाठक ने अद्भुत साहस, सूझबूझ और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए चलती ट्रेन में ही सफल प्रसव करवाया। जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद से सुरेंद्रनगर जा रही 25 वर्षीय आरतीबेन भरतभाई देवीपूजक को यात्रा के दौरान अचानक असहनीय प्रसव पीड़ा होने लगी। परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि चलती ट्रेन में सुरक्षित प्रसव कैसे कराया जाए। महिला के पति ने यात्रियों से मदद की अपील की, जिसके बाद ट्रेन में मौजूद डॉ. अदिति पाठक आगे आईं। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध न होने के बावजूद डॉ. अदिति पाठक ने बिना समय गंवाए स्थिति को संभाला। सहयात्रियों के सहयोग से उन्होंने ट्रेन के डिब्बे में ही सुरक्षित प्रसव करवाया और महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। नवजात की पहली किलकारी सुनते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली और डॉ. पाठक के प्रयासों की सराहना की। डॉ. अदिति पाठक ने यहीं अपनी जिम्मेदारी समाप्त नहीं की। उन्होंने मां और नवजात बच्ची को सुरक्षित रूप से विरमगाम सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां 'ममता घर' के स्टाफ ने दोनों की देखभाल और उपचार की जिम्मेदारी संभाली। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, समय पर मिले उपचार और चिकित्सकीय देखभाल के चलते मां और बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। परिवार ने डॉ. अदिति पाठक और अस्पताल स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए उनकी सेवा भावना की सराहना की। इस मानवीय और प्रेरणादायक घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी डॉ. अदिति पाठक और उनकी टीम को बधाइयों का सिलसिला जारी है। लोगों का कहना है कि ऐसे समर्पित चिकित्सक ही चिकित्सा सेवा को मानवता का सबसे बड़ा धर्म बनाते हैं।

कालोल में खुली नालियां बनीं हादसों का कारण, पोस्ट ऑफिस के पास गटर में गिरकर बाइक सवार घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालोल। कालोल नगर में नगर पालिका प्रशासन की कथित लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। शहर की सड़कों पर मौजूद टूटी हुई और खुली नालियां वाहन चालकों तथा राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। इसी कड़ी में पोस्ट ऑफिस के पास एक बाइक चालक गटर में गिरकर घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कालोल की मुख्य पोस्ट ऑफिस के निकट से गुजर रहे एक मोटरसाइकिल चालक का संतुलन सड़क पर स्थित टूटी हुई गटर की जाली के कारण बिगड़ गया। देखते ही देखते बाइक चालक गटर में जा गिरा। हादसे में युवक के पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल युवक को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि केवल पोस्ट ऑफिस क्षेत्र ही नहीं, बल्कि नगर के कई इलाकों में गटर की जालियां टूटी हुई हैं या नालियां खुली पड़ी हैं। रात के समय अंधेरे में ये गटर दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। लोगों का कहना है कि इससे पहले भी इस क्षेत्र में कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। घायल युवक अल्पेशभाई ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में नगर पालिका के मुख्य अधिकारी से संपर्क किया, जिस पर अधिकारी ने गटर की जाली की वेल्डिंग कराकर मरम्मत करवाने का आश्वासन दिया है। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही टूटी जालियों और खुली नालियों की मरम्मत नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। नागरिकों ने मांग की है कि नगर पालिका किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल कार्रवाई करते हुए शहरभर में क्षतिग्रस्त गटर जालियों और खुली नालियों का सर्वे कर मरम्मत कार्य शुरू करे।

ओलपाड में हाई-प्रोफाइल जुआघर का भंडाफोड़, 46.70 लाख का मुद्दामाल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ओलपाड । ओलपाड पुलिस ने असनाड गांव स्थित एक फार्महाउस पर छापा मारकर हाई-प्रोफाइल जुआघर का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 1 महिला सहित 10 आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मौके से नकदी, 4 लग्जरी कार, 3 बाइक और मोबाइल फोन सहित कुल 46.70 लाख रुपये का मुद्दामाल जब्त किया है। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

अंतरराज्यीय नेटवर्क की चर्चा से मचा हड़कंप

महेसाणा पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार का महाविस्फोट! SP के कथित 'वहीवटदार' तरुणसिंह डाभी पर करोड़ों की हफ्ताखोरी के आरोप

लांघणज, नंदासन, कड़ी और सांथल क्षेत्रों में अवैध शराब व जुए के कारोबार को संरक्षण देने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

महेसाणा। गुजरात में शराबबंदी कानून की प्रभावशीलता और कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। महेसाणा जिले से सामने आई चर्चाओं और आरोपों ने पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली को कटघरे में ला खड़ा किया है। जिले में अवैध शराब और जुए के कारोबार को लेकर उठ रहे आरोपों के बीच एक पुलिस कर्मचारी का नाम चर्चा के केंद्र में है। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि महेसाणा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शराब और जुए के अड्डे कथित रूप से बेखौफ होकर संचालित हो रहे हैं। आरोपों के अनुसार, इन गतिविधियों के पीछे एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो कथित रूप से अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के बीच समन्वय स्थापित करता है। सूत्रों के अनुसार, लांघणज, नंदासन, कड़ी, बावलु और सांथल क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध गतिविधियों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि कई स्थानों पर शराब और जुए के अड्डे खुलेआम संचालित होने की चर्चाएं हैं, लेकिन इनके विरुद्ध अपेक्षित स्तर की कार्रवाई नहीं हो रही। चर्चाओं के केंद्र में आए पुलिस कर्मचारी तरुणसिंह डाभी पर

आरोप है कि वह कथित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय अवैध कारोबारियों के बीच प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हुई है और न ही किसी सक्षम एजेंसी द्वारा आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि की गई है। मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब स्थानीय स्तर पर अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। चर्चा है कि राजस्थान सीमा से शराब की खेप गुजरात में पहुंचाई जाती है और बाद में विभिन्न स्थानों पर सप्लाई की जाती है। हालांकि इन दावों की पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि आरोपों में सच्चाई है तो यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि पूरे नेटवर्क की जांच का विषय है। उनका मानना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी यह मांग उठने लगी है कि गृह विभाग, पुलिस मुख्यालय तथा संबंधित जांच एजेंसियां मामले का संज्ञान लेकर तथ्यों की जांच करें। यदि किसी भी स्तर पर अवैध गतिविधियों को संरक्षण दिए जाने या भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल इन आरोपों को लेकर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। जनता की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित विभाग इन गंभीर आरोपों की जांच कर सच्चाई को सामने लाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

कालोल के कातोल गांव में असामाजिक तत्वों का आतंक, पेयजल पाइपलाइन तोड़ने से पूरा गांव पानी संकट में

बोरवेल की मुख्य लाइन को पहुंचाया नुकसान, ग्रामीणों में आक्रोश; दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालोल। कालोल तालुका के कातोल गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का गंभीर मामला सामने आया है। गांव में पेयजल आपूर्ति करने वाली बोरवेल की मुख्य पाइपलाइन को कथित रूप से अज्ञात असामाजिक तत्वों ने रात के समय नहर के पास तोड़ दिया, जिसके चलते पूरे गांव में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव की जीवनरेखा मानी जाने वाली इस पाइपलाइन को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया है। घटना के बाद से गांव के

सैकड़ों परिवारों को पीने के पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को इस घटना में शामिल व्यक्तियों के बारे में जानकारी है, लेकिन भय या अन्य कारणों से कोई भी खुलकर उनके नाम सामने लाने को तैयार नहीं है। इस कारण गांव में नाराजगी के साथ-साथ डर का माहौल भी बना हुआ है। मामले को लेकर कातोल गांव के सरपंच से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पाइपलाइन की मरम्मत के लिए कारीगरों को बुला लिया गया है। मरम्मत कार्य पूरा होते ही गांव में पानी की आपूर्ति दोबारा शुरू कर दी जाएगी। गांव के लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता को बाधित करना बेहद गंभीर मामला है। केवल पाइपलाइन की मरम्मत करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी जरूरी है। ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है

2 करोड़ रुपये की ठगी मामले के फरार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/महेसाणा। सूरत शहर के महिधरपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज लगभग 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ने में उनावा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की सटीक सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, सूरत के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र महिधरपुरा में कुछ समय पूर्व करीब 2 करोड़ रुपये की बड़ी धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस सहित विभिन्न एजेंसियां आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थीं। इसी दौरान उनावा पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि मामले से जुड़े फरार आरोपी उनावा थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अलग-अलग टीमें गठित कीं और संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस की सटीक रणनीति और त्वरित कार्रवाई के चलते करोड़ों रुपये की ठगी के आरोप में फरार चल रहे आरोपी पुलिस के शिकंजे में आ गए। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उनावा पुलिस ने इस कार्रवाई की जानकारी सूरत के महिधरपुरा पुलिस स्टेशन को भी दे दी है तथा आरोपियों को आगे की पूछताछ और जांच के लिए सूरत पुलिस के सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब जांच का फोकस इस धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और ठगी की रकम के लेन-देन की जांच पर रहेगा। पूछताछ के दौरान मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। उनावा पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अपराध जगत में हड़कंप मच गया है और फरार अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई का संदेश गया है।

गुजरात में 'ऑपरेशन डेल्टा' का बड़ा एक्शन, अहमदाबाद से 166 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

राज्यव्यापी अभियान में सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता, फर्जी दस्तावेजों और स्थानीय नेटवर्क की जांच तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन डेल्टा' के तहत अहमदाबाद शहर से 166 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच में इन लोगों के भारत में अवैध रूप से निवास करने की आशंका जताई गई है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि अहमदाबाद के कुछ इलाकों में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न संदिग्ध इलाकों, झुग्गी बस्तियों और निर्माण स्थलों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में 166 लोगों के पास भारत में वैध निवास से संबंधित आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए जाने का दावा किया गया, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से स्थानीय एजेंटों की मदद से फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार करवाने के संकेत भी मिले हैं। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस अब दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क और संबंधित एजेंटों की भूमिका की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान के बाद अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इन लोगों को सीमा पार कराने, गुजरात तक पहुंचाने और यहां बसाने में किन-किन व्यक्तियों या गिरोहों की भूमिका रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।वहीं, इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पकड़े जाने के बाद स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था और पहचान सत्यापन प्रणाली को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल सभी हिरासत में लिए गए लोगों के दस्तावेजों की विस्तृत जांच और कानूनी प्रक्रिया जारी है।

महेसाणा पुलिस की बड़ी कामयाबी: करोड़ों की केबल चोरी का खुलासा, 6 शातिर आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। महेसाणा तालुका पुलिस ने त्वरित कार्रवाई और सटीक जांच का परिचय देते हुए जॉन एनर्जी लिमिटेड के यार्ड में हुई करोड़ों रुपये की केबल चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में शामिल 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल भी बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेसाणा तालुका क्षेत्र स्थित जॉन एनर्जी लिमिटेड के यार्ड से कीमती केबल वायर चोरी होने की शिकायत कंपनी प्रबंधन द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अलग-अलग टीमें गठित कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मुखबिर तंत्र के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी निगरानी का सहारा लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान चोरी की पूरी साजिश का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया केबल वायर और अन्य संबंधित सामान भी बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारिक वर्ग और आम नागरिकों ने महेसाणा तालुका पुलिस की सराहना की है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य किसी गिरोह या व्यक्ति की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है और आरोपियों से रिमांड लेकर आगे की पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से परेशान 14 गांवों के आदिवासी किसानों का अल्टीमेटम, 30 दिन में समाधान नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन

बारिश के पानी की निकासी, अंडरपास और खेती की समस्याओं को लेकर किसानों का फूटा गुस्सा; प्रशासन ने संयुक्त सर्वे का दिया आश्वासन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद (दाहोद)। दाहोद जिले के लिमडी क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर हाईवे से प्रभावित 14 गांवों के आदिवासी किसानों की वर्षों पुरानी समस्याओं को लेकर झालोद प्रांत कार्यालय में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। प्रांत अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में हाईवे अथॉरिटी, बिजली विभाग और जल आपूर्ति विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। किसानों का आरोप है कि पिछले चार वर्षों से हाईवे निर्माण कार्य के कारण क्षेत्र में बारिश के पानी की निकासी गंभीर समस्या बन गई है। कई गांवों के खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहने से फसलें खराब हो रही हैं और कृषि भूमि अनुपयोगी होती जा रही है। इससे प्रभावित किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। बैठक के दौरान किसानों के प्रतिनिधियों ने वर्षा जल निकासी, खेतों तक पहुंचने वाले रास्ते, बिजली लाइन, अंडरपास और ओवरब्रिज जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा जोरदार तरीके

से उठाया। किसानों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रांत अधिकारी ने संबंधित विभागों को तत्काल स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने घोषणा की है कि 4 जून 2026 को सभी 14 प्रभावित गांवों में विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे किया जाएगा और वास्तविक स्थिति के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान किसान नेता मुकेश डांगी ने प्रस्तावित एयरपोर्ट और जीआईडीसी परियोजनाओं का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर आदिवासी किसानों की उपजाऊ जमीन अधिग्रहित करना अन्यायपूर्ण है। जमीन आदिवासी समाज की पहचान और अस्तित्व का आधार है, जिसे बचाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। बैठक के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी 30 दिनों के भीतर उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्र के किसान 'करो या मरो' आंदोलन शुरू करेंगे। फिलहाल 14 गांवों के हजारों किसानों की निगाहें 4 जून को होने वाले संयुक्त सर्वे और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

सोशल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष किशोर भंडारी जी को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएँ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई / नागपुर। 5 जून का दिन महाराष्ट्र की सामाजिक, राजनीतिक और पत्रकारिता जगत की एक ऐसी प्रखर शख्सियत के नाम है, जिसने अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा और सेवाभाव से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। 'सोशल मीडिया फाउंडेशन' के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष, 'अखिल मराठी पत्रकार संघ' (महाराष्ट्र राज्य) के प्रदेश अध्यक्ष तथा 'भाजपा जैन प्रकोष्ठ' (महाराष्ट्र राज्य) के माननीय उपाध्यक्ष श्री किशोर भंडारी जी को उनके जन्मदिवस के इस पावन अवसर पर 'महानगर मेट्रो न्यूज़' परिवार और राज्यभर के शुभचिंतकों की ओर से कोटि-कोटि बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ! एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में किशोर भंडारी जी का जीवन समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने की मिसाल रहा है। आपके इस अद्वितीय सफर के तीन मुख्य स्तंभ इस प्रकार हैं: 'अखिल मराठी पत्रकार संघ' के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष के रूप में आपने सदैव निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा दिया है। राज्यभर के पत्रकारों के हितों, मान-सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए आपने हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहकर मजबूती से आवाज उठाई है। डिजिटल क्रांति और सामाजिक चेतना: 'सोशल मीडिया फाउंडेशन' के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष के रूप में आपने डिजिटल युग में युवाओं और समाज को सही दिशा देने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक व रचनात्मक बदलाव लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। 'भाजपा जैन प्रकोष्ठ' (महाराष्ट्र राज्य) के उपाध्यक्ष के तौर पर आपने जैन समाज के उच्च नैतिक मूल्यों, अहिंसा, करुणा और सेवा के सिद्धांतों को राजनीतिक मुख्यधारा से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है।

शहर में लगातार बढ़ती आपराधिक वारदातों के विरोध में आज भीनमाल बंद का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं, खुलेआम पैर पसारते नशे के अवैध कारोबार और चरमराती कानून व्यवस्था को लेकर स्थानीय व्यापारियों और आमजन में भारी आक्रोश व्याप्त है। शहर की सुरक्षा और अस्मिता पर मंडराते खतरों के विरोध में व्यापारिक संगठनों ने आज, 4 जून को संपूर्ण भीनमाल बंद रखने का शंखनाद किया है। इस बंद को सफल बनाने के लिए सभी व्यापार संघों ने कमर कस ली है। भीनमाल बंद का यह निर्णय संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल एवं खाद्य व्यापार संघ के अध्यक्ष पारसमल मोदी की मौजूदगी में आयोजित एक आपात बैठक में लिया गया। बैठक में शहर के विभिन्न व्यापार संघों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों और प्रबुद्ध व्यापारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने प्रशासनिक शिथिलता और पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए। सभी ने एक स्वर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने की मांग की। बैठक में अर्जुनसिंह भूतेल, ओमप्रकाश माहेश्वरी, नरेश सुखाड़िया, लक्ष्मण भजवाड़, केट अध्यक्ष पुखराज माली, वस्त्र व्यापार संघ अध्यक्ष कृष्ण दर्जी, रेडीमेड व्यापार संघ अध्यक्ष श्रवणसिंह राव, मनिहारी एवं फुटवियर एसोसिएशन अध्यक्ष भोपालसिंह दुधवा, सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष सी.पी. सोनी, इलेक्ट्रिक व्यापार संघ अध्यक्ष मालाराम चौधरी, मशीनरी एसोसिएशन अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल, सरदाराम माली, प्रेमसिंह राजपुरोहित, सुरेश अग्रवाल, पीताम्बरदास माहेश्वरी, रमेश कुमार व विनोद माली सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व भीनमाल के बीचोंबीच असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए प्राणघातक हमले ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने आमजन और व्यापारियों के भीतर खौफ का माहौल पैदा कर दिया है। व्यापारियों ने इस बात पर गहरा रोष व्यक्त किया कि घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम रही है। आरोपियों की खुलेआम घूमना पुलिस तंत्र पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

मातृ शक्ति प्रज्ञा कौशल प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारम्भ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। स्थानीय दासपां रोड स्थित सैन महाराज मंदिर परिसर में भव्य शुभारम्भ किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ के तत्वावधान, विप्र फाउंडेशन एवं महाकवि माघ विकास संस्थान के निर्देशन में आयोजित इस निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य महिलाओं, युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को कौशल विकास, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता से जोड़ना है। कार्यक्रम सांसद लुंबाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित की अध्यक्षता तथा डॉ. राजेंद्र वैष्णव (विप्र फाउंडेशन), डॉ. घनश्याम व्यास (सचिव राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ), समाजसेवी जबराराम भाटी, माणकमल भंडारी, भरतसिंह भोजानी, महेंद्र सोलंकी एवं प्रवीण एम. दवे के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया।

राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता पर विशेष बल

प्रकल्प निदेशक दिनेश दवे ने कहा कि विप्र समाज 36 कौम के बीच सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर सामाजिक एकजुटता को बढ़ाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने कहा कि भारत स्काउट गाइड संस्था जीवन को श्रेष्ठ तरीके से जीने तथा अनुशासन को व्यवहार में उतारने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। डॉ. घनश्याम व्यास ने कहा कि संस्था द्वारा आयोजित ऐसे शिविर हुनर विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक भाईचारे को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। भाजपा जिला मंत्री भरतसिंह भोजानी ने कहा कि इस प्रकार के शिविर न केवल जीवन जीने की कला सिखाते हैं बल्कि आर्थिक स्थिति सुधारने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

नियमित सहभागिता से मिलेगा अधिक लाभ

समाजसेवी जबराराम भाटी ने शिविर की विशेषताओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि शिविर में नियमित रूप से भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अधिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न कौशल, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित को शिक्षा, समाज सेवा, भारत स्काउट गाइड एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए 'माघ सेवा पुरस्कार' प्रदान किया गया। संस्था की ओर से उनके परिवार को मंगलमय शुभकामनाएं भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. घनश्याम व्यास ने किया जबकि व्यवस्थापक जबराराम भाटी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनीष दवे, भोमाराम सैन, वासुदेव अवस्थी, राजेंद्र वैष्णव, पूर्णदास पुजारी, मोहब्बतसिंह राव, सीमा जीनगर सहित अनेक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

केयर हेल्थ इंश्योरेंस मलेशिया अवार्ड: भीनमाल के मंगलचंद सेठ को मिला प्रतिष्ठित सम्मान, शानदार अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि

हानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा विदेश की धरती मलेशिया में आयोजित भव्य केयर हेल्थ इंश्योरेंस मलेशिया अवार्ड कार्यक्रम शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। इस विशेष आयोजन का संचालन मैक ट्रैवल सोल्यूशन एल.एल.पी. द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के हेल्थ प्लानरों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्य योद्धाओं को सम्मानित किया गया। चार दिन और तीन रातों तक चले इस आयोजन ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण, मनोरंजन, पर्यटन और सांस्कृतिक अनुभवों का अनूठा संगम प्रदान किया। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों ने इसकी भव्यता और व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से सराहना की।

हेल्थ प्लानरों के लिए शानदार व्यवस्थाएं

केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने अपने हेल्थ प्लानरों के लिए भोजन, आवास और भ्रमण ,जैन भोजन की भी उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की थीं । प्रतिभागियों को मलेशिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले हेल्थ प्लानरों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करना था।

भगवान कार्तिकेय के मंदिर ने किया भाव-विभोर

मलेशिया में स्थित प्रसिद्ध बटुक केव में भगवान कार्तिकेय की विशाल प्रतिमा और मंदिर के दर्शन प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। यहां भगवान राम, हनुमानजी और गणेशजी की प्राचीन मूर्तियों के दर्शन कर सभी श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंदिर परिसर में बंदरों को भोजन खिलाने और कबूतरों को दाना डालने का अनुभव भी प्रतिभागियों के लिए विशेष रहा। केबल कार (रोपवे) के माध्यम से गेंटिंग आइलैंड पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। थीम पार्क, सनवे वाटर पार्क, ट्विन्स टावर और वहां के भव्य गार्डनों ने सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से पानी के आकर्षक फाउंटेन शो ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मलेशिया के मौसम में धूप, छांव और बारिश के बदलते रंगों का अनुभव भी प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय रहा। मैक कॉन्फ्रेंस द्वारा आयोजित अवार्ड समारोह में मलेशिया के कलाकारों ने भारतीय और मलेशियाई लोक संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। रंगारंग प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया और कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के मुंबई जोन हेड सत्यजीत भौसले ने अपने विशिष्ट अंदाज में किया। उनके साथ आंध्र जोन हेड उदय झा भी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन निशांत चौधरी ने प्रभावशाली तरीके से किया। कार्यक्रम का सबसे गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब भीनमाल (राजस्थान) के मुंबई में कार्यरत मंगलचंद माणकचंद सेठ को उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें सत्यजीत भौसले और उदय झा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंगलचंद माणकचंद सेठ के लिए विदेश की धरती मलेशिया में यह पहला अवसर था जब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि से उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। मंगलचंद माणकचंद सेठ की इस उपलब्धि में केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के अनिल सोनी,मिथुन अवाडे, जयेश ओभान का सकारात्मक सहयोग रहा। वहीं पूरे आयोजन के संचालन में मैक कंपनी, मुंबई के अजय भाई ग्रामिनी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय गाइड द्वारा मलेशिया के विभिन्न स्थलों की विशेषताओं और इतिहास की विस्तृत जानकारी दी गई। चार दिन और तीन रातों तक चले इस आयोजन को प्रतिभागियों ने 'सुपर से भी ऊपर' बताते हुए इसकी भव्यता और उत्कृष्ट प्रबंधन की सराहना की। प्रतिभागियों के अनुसार यह आयोजन केवल एक अवार्ड समारोह नहीं बल्कि सीख, प्रेरणा, सम्मान था.

दभोई तालुका के ओरडी गांव में तूफान ने तबाही मचाई 100 एकड़ में लगी केले की फसल बर्बाद,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। पंथक में सुबह-सुबह बारिश के साथ आए भयानक तूफान ने भारी तबाही मचाई है। दभोई तालुका के ओरडी गांव और उसके आस-पास के इलाकों में कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया है कि किसानों की रोजी-रोटी छिन गई है। करीब 100 एकड़ जमीन में लगी केले की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे किसानों को ?50 लाख से ज़्यादा का भारी नुकसान हुआ है। फसल कटाई के आखिरी समय में कुदरत ने करवट ली है। ओरडी गांव इलाके में किसान बड़े पैमाने पर केले की खेती करते हैं। इस साल केले की फसल बहुत अच्छी हुई थी और दुनिया के किसान फसल काटकर बाजार में बेचने की आखिरी तैयारी में थे। उसी समय तेज हवा के साथ बारिश ने पूरे इलाके को अपनी गिरफ्त में ले लिया। तेज़ हवा के झोंकों की वजह से जो केले के बगीचे तैयार थे, वे भारी वज़न के कारण टूटकर ज़मीन पर गिर गए। खेतों में सिर्फ़ टूटे हुए केले के पेड़ और बिखरे हुए केले के बगीचे ही दिख रहे हैं। किसान का दुख यह था कि उसने दिन-रात खून-पसीना एक करके इस फ़सल को उगाया था। अब जब कमाई का समय आया, तो भगवान ने सब कुछ छीन लिया। ब्याज पर पैसे लेकर आया किसान बेबस हो गया। इस ज़िले के ज़्यादातर किसानों ने बड़ी मेहनत से बैंकों से या ज़्यादा ब्याज पर पैसे लाकर, महंगी खाद और बीज खरीदकर केले की यह फ़सल तैयार की थी। उम्मीद थी कि अच्छी फ़सल होने पर कर्ज़ चुकता हो जाएगा और परिवार का गुज़ारा हो जाएगा, लेकिन कुदरती आफ़त ने किसानों की सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कड़ी मेहनत और सिर पर कर्ज़ का पहाड़ लिए दुनिया इस समय बहुत बेबस और दुखी हालत में है। सरकार से मुआवज़े की उम्मीद। ऐसे मुश्किल और संकट भरे समय में ओरडी गाँव के पीड़ित किसानों को अब सरकार से बस एक ही उम्मीद और मांग है। सर्वे का कामः एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट तुरंत नुकसान का सर्वे करे। सही मुआवज़ाः सरकार को आर्थिक रूप से बर्बाद किसानों को जल्द से जल्द सही मदद और स्पेशल पैकेज देना चाहिए ताकि वे इस मुश्किल से बाहर आ सकें। किसानों की हालत सच में चिंताजनक है और यह बहुत ज़रूरी है कि प्रशासन इस बारे में जल्दी एक्शन ले।

जनता टैक्स भरे और जहरीला पानी पीए, यही है विकास?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के गृहमंत्री के गृह विधानसभा क्षेत्र घाटलोडिया और गोता वार्ड स्थित आकांक्षा अपार्टमेंट में दूषित पानी के कारण भयानक महामारी फैल गई है। नगर निगम द्वारा की जाने वाली पेयजल आपूर्ति में गटर का गंदा पानी मिल जाने से पूरी सोसाइटी में डायरिया और उल्टी का प्रकोप फूट पड़ा है। अब तक 500 से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 30 से 40 गंभीर मरीजों को इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस गंभीर लापरवाही को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सत्तारूढ़ भाजपा और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 15,000 करोड़ का बजट, फिर भी जनता बूंद-बूंद को तरसी गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और मीडिया कन्वेनर डॉ. मनीष दोषी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहाः विशिष्ट वीआईपी क्षेत्र की बदहालीः यह बेहद शर्मनाक है कि जो इलाका राज्य के मुख्यमंत्री और देश के गृहमंत्री का प्रतिनिधित्व करता है, वहां के लोग गटर युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। विकास के दावों की खुली पोलः नगर निगम के 15,000 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले भाजपा शासक अहमदाबाद जैसे मेगा सिटी के 24 फीसदी इलाकों में आज भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में नाकाम रहे हैं। टैक्स वसूली बनाम कड़वी सच्चाईः जनता से भारी भरकम टैक्स वसूला जाता है, करोड़ों के विकास कार्यों के विज्ञापन छपते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि मासूम बच्चों और बुजुर्गों को पीने के पानी के बदले बीमारी परोसी जा रही है। चार दिन से तड़प रहे हैं लोग, प्रशासन अब भी कुंभकर्णी नींद में स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पिछले शुक्रवार से ही पीने के पानी की पाइपलाइन में गटर का पानी मिक्स हो रहा था। पिछले चार दिनों से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं,

अधिकारियों की नाक के नीचे बड़ा खाडा, किसी बड़े हादसे का इंतज़ार करता सिस्टम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सरकारी अधिकारियों की सुस्ती और लोगों की जान के प्रति लापरवाही का एक बड़ा उदाहरण डभोई में देखने को मिल रहा है। डभोई सेवा सदन जैसे ज़रूरी सरकारी कॉम्प्लेक्स के बहुत पास, मेन रोड पर एक बहुत बड़ा लंबे समय से बना हुआ है। इस की वजह से गाड़ी चलाने वालों को काफ़ी परेशानी हो रही है, लेकिन असल में सरकारी कागज़ों पर विकास चलाने वाला सिस्टम गहरी नींद में सोया हुआ लगता है। चिराग तले अंधेराः PWD ऑफिस सिर्फ़ 100 मीटर दूर होने के बावजूद, सबसे हैरानी और गुस्सा दिलाने वाली बात यह है कि यह वही सड़क है जिससे रोज़ डभोई के बड़े अधिकारियों की सरकारी गाड़ियां गुज़रती हैं। इतना ही नहीं, रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट का ऑफिस भी इसी से सिर्फ़ 100 मीटर दूर है, जो डिपार्टमेंट का काम है। जिन अधिकारियों को सड़क को समतल करना चाहिए, उन्हें अपने ही आंगन में पड़ा यह बड़ा नहीं दिख रहा है। सर्विस हॉल से मुश्किल से 100 फीट की दूरी पर सड़क के बीचों-बीच पड़ा यह प्रशासन की कार्यप्रणाली की पोल खोल रहा है। वाहन चालक हादसों के बड़े डर से परेशान हैं। इस व्यस्त सड़क से दिन-रात सैकड़ों वाहन चालक गुजरते हैं। रात में खतरा। रात के अंधेरे में अचानक इस पर आने वाले वाहन चालक फंस जाते हैं और अपनी गाड़ियों पर से नियंत्रण खो देते हैं। छोटी गाड़ियों को नुकसान। दोपहिया वाहन चालक अक्सर यहां फिसल रहे हैं, जिससे लोगों को छोटी-बड़ी चोटें भी लग रही हैं। वाहन चालक इंतजार कर रहे हैं कि कब भरा जाएगा।

झालोद तालुका पंचायत के नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद (दाहोद)। झालोद तालुका पंचायत के नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेशभाई खीमाभाई कटारा तथा उपाध्यक्ष तेजलबेन मानसिंहभाई भाभोर का पदग्रहण समारोह धार्मिक विधि-विधान और शुभ मुहूर्त के साथ संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना के बाद दोनों जनप्रतिनिधियों ने अपने पद का औपचारिक कार्यभार ग्रहण किया। समारोह के दौरान अध्यक्ष सुरेशभाई कटारा ने पंचमुखी मंडलेश्वर महादेव की प्रतिमा स्थापित कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने नव नियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व सांसद बाबूभाई कटारा, भावसिंह वाघेला, पंकज अग्रवाल, भरत श्रीमाली, भाजपा झालोद तालुका अध्यक्ष सुरेश भाभोर, झालोद नगर पालिका के पार्षद, तालुका पंचायत सदस्य, सरपंच एवं विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पदग्रहण के बाद अपने संबोधन में अध्यक्ष सुरेशभाई कटारा और उपाध्यक्ष तेजलबेन भाभोर ने कहा कि झालोद तालुका के सभी ग्रामीण क्षेत्रों का संतुलित और समान विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा और पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर सभी जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों को साथ लेकर तालुका के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जाएगा। नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदग्रहण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। उपस्थित नेताओं और नागरिकों ने उम्मीद जताई कि नए नेतृत्व में झालोद तालुका विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

|| -श्री गणेशाय नमः ||

दैनिक राशिफल

4 जून 2026, गुरुवार

आज का पंचांग

- तिथि: कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
- नक्षत्र: मघा
- योग: गजकेसरी योग
- करण: बव
- सूर्योदय: 05:23 AM
- सूर्यास्त: 07:16 PM

4 जून 2026 (गुरुवार) का दिन ग्रहों की स्थिति के अनुसार बहुत ही विशेष रहने वाला है। इस दिन ग्रहों के गोचर से गजकेसरी और हंस राजयोग जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव अधिकांश राशियों के करियर, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन पर देखने को मिलेगा।

1. मेष (Aries) — आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान और उपलब्धियों भरा रहेगा। किसी रुके हुए कार्य के पूरा होने से मन में राहत और संतुष्टि का भाव रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

2. वृषभ (Taurus) — आपकी मेहनत और लगन आज रंग लाएगी। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी, जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे और किसी यात्रा के योग भी बन सकते हैं। धन के मामले में दिन अच्छा है, निवेश से लाभ की संभावना है।

3. मिथुन (Gemini) — यह दिन आपके जीवन में नई खुशियां और आत्मविश्वास लेकर आ रहा है। आप किसी नए प्रोजेक्ट या कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। व्यापार में तरक्की के प्रबल संकेत हैं। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा और लव लाइफ में मधुरता बढ़ेगी।

4. कर्क (Cancer) — आज आपको करियर से जुड़े नए और बेहतरीन अवसरों की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार में अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा और सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

5. सिंह (Leo) — सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन काफी शुभ रहने वाला है। रुका हुआ धन वापस मिलने के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बन सकता है।

6. कन्या (Virgo) — आज के दिन आपको अपनी मेहनत का शानदार परिणाम प्राप्त होगा, जिससे आप स्वयं पर गर्व महसूस करेंगे। व्यापार में अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और रिश्ते में मजबूती आएगी। सेहत अच्छी रहेगी।

7. तुला (Libra) — तुला राशि वालों के लिए दिन सामान्य रूप से फलदायी रहेगा। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं, इसलिए धैर्य से काम लें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें।

8. वृश्चिक (Scorpio) — आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आप अपनी समझदारी से सब ठीक कर लेंगे। धन के मामले में किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें। जीवनसाथी का सहयोग आपको मानसिक संबल देगा।

9. धनु (Sagittarius) — धनु राशि वालों के लिए दिन काफी लाभदायक सिद्ध हो सकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और नया वाहन या संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, खान-पान पर ध्यान दें।

10. मकर (Capricorn) — आपको अपनी योजनाओं में बड़ी कामयाबी मिलेगी, जो आपकी लंबे समय से चली आ रही इच्छाओं को पूरी कर सकती है। धन लाभ के प्रबल योग हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। लव लाइफ शानदार रहेगी।

11. कुंभ (Aquarius) — आज के दिन कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मकता और विचारों को सराहा जाएगा। आर्थिक निवेश के लिए दिन अनुकूल है, लेकिन किसी भी लेन-देन में जल्दबाजी न करें। परिवार और मित्रों के साथ हंसी-खुशी समय बीतेगा। ईश्वर पर भरोसा रखें।

12. मीन (Pisces) — मीन राशि के जातकों को अटका हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। दांपत्य जीवन में मिठास बढ़ेगी और प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

उपाय: विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और जरूरतमंदों की सहायता करें।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

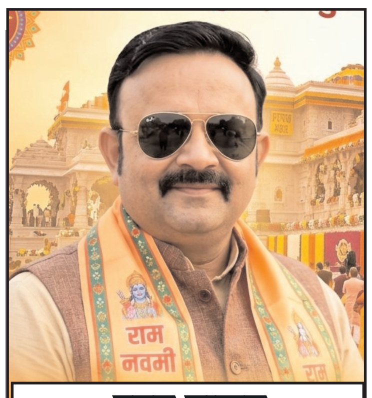

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ाबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

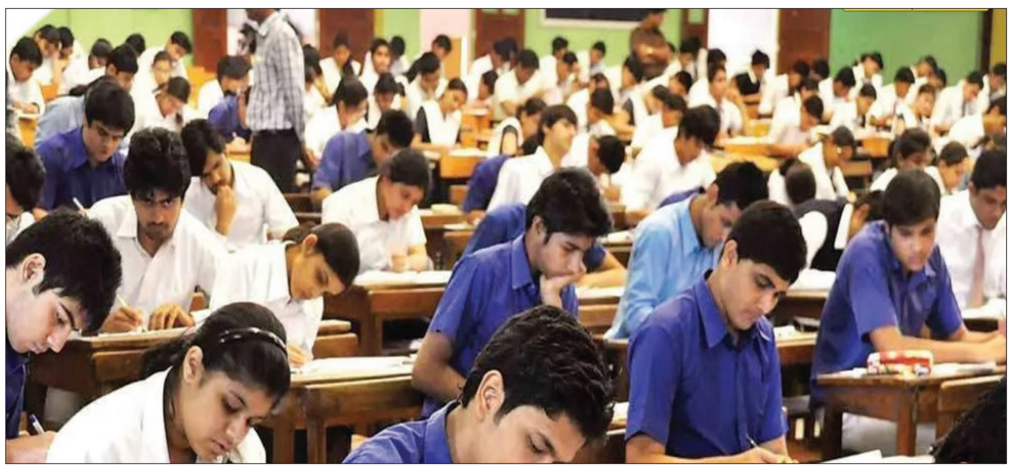

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्ल जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

कहाँ और क्या पढ़ें?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हर साल मई का महीना आता है और जैसा कि कहा जाता है, 'बारिश के बाद, बारिश के बाद, मैं पढ़ूंगा', जून में नया एकेडमिक साल शुरू होता है। माता-पिता अपने बच्चों का एडमिशन कराने के लिए भागदौड़ करने लगते हैं। उनके दिल और दिमाग में, अपने बच्चों के लिए एक अंदरूनी चिंता लगातार घूमती रहती है। क्योंकि हर कोई अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है, चाहे वह झोपड़ी में हो या हवेली में। हममें से लगभग सभी माता-पिता, खासकर पढ़े-लिखे माता-पिता, के पीछे एक भूत बैठा रहता है कि मेरा बेटा डॉक्टर बनेगा या इंजीनियर! तो कुछ नए सपने लेकर बैठे रहते हैं कि IAS, IPS या टेक्नोक्रेट क्यों नहीं बन सकता! लेकिन इन सबके बीच एक सवाल उठता है कि अब शिक्षा के यूनिवर्सल प्राइवेटाइजेशन में, आपको यह तय करना होगा कि कोई आपकी जेब से आपकी जीवन भर की बचत धीरे से तो नहीं निकाल रहा है, है ना?! अगर आप इस धोखाधड़ी वाले प्रोसेस का हिस्सा बन जाते हैं, तो आप कैसे बनेंगे? ये सवाल भी सभी को खुद से पूछने चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि भगवान हर बच्चे में कोई न कोई हुनर भेजता है। हम उन्हें यह स्किल ज़रूर सिखा सकते हैं। लेकिन हम अपने सपने उन पर थोपकर उन्हें नर्क में नहीं डाल सकते। हमें अपनी पीढ़ी को आरामदायक ज़िंदगी का आइडिया छोड़कर संघर्ष और मेहनत का रास्ता चुनने के लिए तैयार करना होगा, यही आज समय की ज़रूरत है। आपके बच्चे में कोई काबिलियत या क्षमता नहीं है और आप उसे 11-12 साइंस या इंजीनियरिंग या मेडिकल कोर्स में धकेल रहे हैं, तो आप अपनी पूंजी बर्बाद कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उस पूंजी से कुछ भी वापस नहीं मिलने वाला है। आपकी बचत ज़रूर डूबेगी, यह बात सभी को समझनी चाहिए। आजकल मेडिकल, इंजीनियरिंग और

दूसरे प्रोफेशनल कोर्स की फीस बहुत ज़्यादा है। अगर आप अपने बच्चे का मेडिकल में एडमिशन कराते हैं, तो प्राइवेट मेडिकल कोर्स की फीस 3 लाख रुपये से 8 लाख रुपये सालाना तक होती है। यानी आप चार साल में कम से कम 12 लाख रुपये फीस देते हैं। इसमें अगर दूसरे खर्चे भी जोड़ लें, तो आप इस दौरान अपने बच्चे में कम से कम 15 लाख रुपये इन्वेस्ट करते हैं। इस इन्वेस्टमेंट का कोई नतीजा निकलता है या नहीं, यह सोचना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि इंजीनियर हो या डॉक्टर, अगर साल 2026 की बात करें तो गुजरात में करीब 7500 मेडिकल सीटें हैं और इसके कॉलेजों की संख्या 43 है, सारी सीटें भर चुकी हैं। यह ट्रेंड 10 साल से चल रहा है। इसका मतलब है कि आज डॉक्टर गली-मोहल्लों में मिल जाते हैं। जनरल प्रैक्टिशनर की संख्या इतनी बढ़ गई है कि उन्हें पेट भरने की रस्म की भी ज़रूरत पड़ रही है। तो अगले पाँच साल बाद क्या होगा?! इसी तरह, गुजरात में इंजीनियरिंग कोर्स में 71,059 सीटें हैं और इसकी फीस भी करीब तीन लाख है। वहाँ भी खर्च इतना ही है। लेकिन 2024 में, इन 137 इंजीनियरिंग कॉलेजों की सीटों में से सिर्फ़ 40,176 सीटों पर स्टूडेंट्स ने एडमिशन लिया, जिसका मतलब है कि लोगों की अब इंजीनियरिंग में कोई दिलचस्पी नहीं रही। क्योंकि अगर इतना पैसा खर्च करने के बाद भी कोई रिज़ल्ट नहीं मिलता और बस थोड़ा सा मिलता है, तो यह क्यों करें, उस तरफ क्यों जाएँ! मेरे सामने एक उदाहरण है कि एक स्टूडेंट निरमा यूनिवर्सिटी में पढ़ता है। उनके माता-पिता चार साल में लगभग 20-22 लाख रुपये खर्च करते हैं। हो सकता है उनके पास इसके लिए इतने पैसे न हों, लेकिन वे इस पर इतना खर्च करते हैं। नतीजा यह होता है कि जब वे इंजीनियर बनकर निकलते हैं, तो स्टूडेंट 15-20 हज़ार की नौकरी ढूंढ रहा होता है। आखिर में, वह अपने पिता के बिज़नेस में शामिल हो जाता है। अगर आप 22 लाख रुपये खर्च करते हैं और वही करते हैं, तो आपका पैसा बर्बाद हो गया, तो आप कॉमर्स, साइंस या आर्ट्स से ग्रेजुएशन करने के बाद इस बिज़नेस में क्यों नहीं शामिल होते!? ऐसा कोर्स चुनें जिससे आपका बच्चा निकलकर असली करियर बना सके। ज़रा सोचिए कि तब उस बिज़नेस की क्या हालत होगी। नंबर दो, अब व्हाइट कॉलर जॉब्स का ज़माना खत्म हो गया है। आपको स्ट्रगल और ताकत दोनों के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें अपने बच्चे को छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार करना होगा। उन्हें ऐसी जॉब्स या बिज़नेस चुनने होंगे जिन्हें ब्लू कलर, यानी कड़ी मेहनत वाला कहा जा सके। पश्चिमी देश आज इस दिशा में ज़रूरी काम कर रहे हैं। हमें मैकाले एजुकेशन सिस्टम जिसे हम क्लेरिकल कॉलेज कहते हैं, उसे बंद करके एक दिशा तय करने की ज़रूरत है। मैं यहां यह भी बताना चाहूंगा कि 2009-10 में गुजरात में करीब 450 प्राइमरी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज थे, लेकिन समय बदल गया और इतना पैसा खर्च करने के बाद वे सभी लोग सड़क पर इधर-उधर भटकते रहे। आज कॉलेजों की संख्या सिर्फ 95 है, जिसका मतलब है कि हमें डिमांड और सप्लाई पर भी ध्यान देने की जरूरत है। सभी साथियों, स्टूडेंट्स और पेरेंट्स को उनके करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

--तखुभाई संसूर

बाहरी दुनिया के पास आपको हराने का कोई हथियार नहीं है, वह तो बस आपके मन की कमजोरी का इस्तेमाल आपके खिलाफ करती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जब मन बने अजेय: सामने वाले के घाव भी हो जाएंगे बेअसर! यह मानव मनोविज्ञान और जीवन का एक ऐसा परम सत्य है जिसे यदि समझ लिया जाए, तो व्यक्ति दुनिया की किसी भी मुश्किल या रिश्तों के बुरे दौर के सामने अजेय बन सकता है। हम अक्सर परिस्थितियों या अपने करीबी लोगों को अपने दुखों के लिए जिम्मेदार मानते हैं। लेकिन गहराई से विचार करें तो समझ आएगा कि सामने वाला व्यक्ति तो सिर्फ एक निमित्त (ज़रिया) है। असली खेल तो हमारे अपने मन के भीतर खेला जाता है।जो रिश्ता आपको अंदर से तोड़ दे, उस रिश्ते से मोह तोड़ लेना ही सच्ची समझदारी है। मन मजबूत हो तो सामने वाले का वार भी सिर्फ एक पत्थर बनकर रह जाता है, हथियार नहीं बन पाता। जीवन में कई बार ऐसा होता है कि हम किसी व्यक्ति को हद से ज्यादा प्यार करते हैं, उस पर अंधविश्वास करते हैं। हमारा यह अत्यधिक प्रेम और संवेदनशीलता ही हमारी सबसे बड़ी 'कमजोरी' बन जाती है। सामने वाला व्यक्ति जब स्वार्थी या असंवेदनशील होता है, तब वह इसी प्रेम को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करने लगता है। वह व्यक्ति अच्छी तरह जानता है कि आपकी 'दुखती रग' कौन सी है। आप उसके बिना रह नहीं सकते, उससे दूर होने का आपको डर है, या उसकी कोई बात आपको तुरंत रुला देती है यह सब आपकी मानसिक कमजोरियां हैं। सामने वाला व्यक्ति इसी कमजोरी पर बार-बार वार करता है, आपको लगातार टॉर्चर करता है और आपका मानसिक शोषण करता है। यहाँ तक कि आपको लगने लगता है कि शायद आप ही कहीं गलत हैं। आप अंदर से पूरी तरह टूट जाते हैं और हार जाते हैं।

खेल का पलटना: जब अंतरात्मा जागती है

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह हारा हुआ व्यक्ति जब एक दिन अपनी अंतरात्मा की आवाज से जागता है और मन से पक्का हो जाता है, तब पूरा खेल पलट जाता है! जब वह व्यक्ति मन में ठान लेता है कि *'बस, अब बहुत हुआ। मेरा प्रेम मेरी कमजोरी नहीं, मेरी ताकत है। और जिस व्यक्ति को मेरे प्रेम की कदर नहीं, उसे मुझे दुखी करने का कोई अधिकार नहीं है।'जिस पल मन इस तरह अंदर से दृढ़ और मजबूत हो जाता है, उसी पल सामने वाले व्यक्ति का सारा व्यवहार, उसके ताने, उसका टॉर्चर और उसकी चालाकियां पूरी तरह बेअसर हो जाती हैं। दुखती रग गायब हो जाती है क्योंकि अब आपने उस रग पर मजबूती के आत्मविश्वास का मरहम (पट्टी) बांध दिया है। उसके व्यवहार से कोई दुख नहीं होता। डर का खात्मा: जैसे ही आपके मन से उस व्यक्ति को खोने का डर या मोह निकल जाता है, वैसे ही उसका नकारात्मक व्यवहार आपको छू भी नहीं पाता।हथियार ही कुंद (धारहीन) हो जाता है. सामने वाला व्यक्ति फिर से उसी पुराने तरीके से वार करने की कोशिश करेगा, लेकिन इस बार आपके मन की मजबूती के आगे उसके सारे तीर नाकाम हो जाएंगे। शोषण करने वालों के सामने अजेय बनने का मंत्र समुद्र के बीच में एक विशाल जहाज तैरता है। उसके चारों ओर करोड़ों लीटर पानी होता है, लेकिन

वह पानी जहाज को तब तक नहीं डुबो सकता, जब तक कि जहाज में कोई छोटा सा छेद (कमजोरी) न हो जाए। जैसे ही जहाज में छेद हुआ, बाहर का पानी अंदर घुस जाएगा और जहाज डूब जाएगा। हमारी आसपास भी नकारात्मकता और शोषण करने वाले लोगों का समंदर है। जब तक हम अपने मन के भीतर उस नकारात्मकता को प्रवेश देने के लिए 'छेद' (दूसरों पर अंधी निर्भरता) खुला नहीं रखेंगे, तब तक दुनिया की कोई ताकत हमें डुबो नहीं सकती। मन की दृढ़ता जहाज के उस छेद को हमेशा के लिए बंद कर देती है, जो हमारी सुरक्षा का अभेद्य कवच बनती हद्य. मोह और डर छोड़ें सामने वाला आपको सिर्फ इसलिए डरा या टॉर्चर कर सकता है क्योंकि आपको उसे खोने का डर है। जब आप वह डर छोड़ देंगे, तो उसकी सारी शक्तियां अपने आप नष्ट हो जाएंगी। आत्मसम्मान को सर्वोपरि बनाएं. किसी से इतना प्रेम कभी न करें कि आपका अपना अस्तित्व ही मिट जाए। आपकी गरिमा ही आपका सच्चा कवच है। विचारों का फिल्टर लगाएं. सामने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी जहर उगले, उसे मन के भीतर न उतरने दें। तय करें कि किस बात को दिल तक पहुंचने देना है और किस बात को बीच में ही 'इग्नोर' (अनदेखा) कर देना है। याद रखें, कोई आपको तब तक ही दुखी कर सकता है जब तक आप उन्हें ऐसा करने की अनुमति देते हैं। बाहरी दुनिया के पास आपको हराने की कोई शक्ति नहीं है, वह शक्ति आप खुद उन्हें सौंपते हैं–अपने मन की कमजोरी के द्वारा। इसलिए, अपने मन के मालिक बनें। जब आप भावनाओं से ऊपर उठकर अंदर से मजबूत और अजेय बनेंगे, तब कितनी भी जहरीली मानसिकता का व्यक्ति क्यों न हो, वह आपके आत्मविश्वास और मुस्कान के सामने नतमस्तक हो जाएगा!

दर्शना पटेल(नेशनल मेडलिस्ट)

(नेशनल अवार्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर.

ट्रैफिक चालान से खोज निकाला 25 साल से फरार 50 हजार का इनामी बदमाश, टीचर बनकर बदल ली थी पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस जांच और तकनीक की ताकत दोनों को साबित कर दिया. 25 साल पहले लूट और युवती को भगाने के मामले में फरार हुआ एक इनामी बदमाश पुलिस से बचने के लिए नाम, धर्म, शहर और पहचान तक बदलता रहा. उसने अपनी पुरानी जिंदगी छोड़कर नई पहचान के साथ जीवन शुरू कर दिया था, लेकिन आखिरकार एक ट्रैफिक चालान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से उसकी तलाश पूरी हो गई. जिसके बाद पुलिस ने दिल्ली से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था. पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान सैमुअल उर्फ सहदेव उर्फ अमित के रूप में हुई है. वह वर्ष 2002 से थाना लोहा मंडी में 174000 रुपये की लूटकांड और एक युवती को भगाने के मामले में वांछित चल रहा था. उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था. लूट की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी नॉर्थ ईस्ट में भाग गया था.

ट्रैफिक चालान बना गिरफ्तारी की वजह

पुलिस जांच के दौरान एक वाहन के ट्रैफिक चालान से महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगा. दिल्ली में कटे एक चालान की जानकारी ने पुलिस को आरोपी तक पहुंचने का रास्ता दिखाया. इसके बाद तकनीकी सर्विलांस और अन्य माध्यमों से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई. जांच में सामने आया कि आरोपी दिल्ली के प्रेमनगर, नागलोई क्षेत्र में रह रहा था. पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने कई बार अपनी पहचान बदली. उसने अलग-अलग नामों और धार्मिक पहचान का सहारा लिया व विभिन्न राज्यों में ठिकाने बदलकर रह रहा था. ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके. फरारी के दौरान आरोपी एक निजी स्कूल में शूटिंग रेंज टीचर के रूप में कार्य कर रहा था. पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है.

मुखबिरी के शक में चायवाले को सट्टेबाजों ने गनपॉइंट पर उठाया, कार में बंधक बनाकर पीटा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल से एक बेहद चौंकाने वाली और खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक यूनिवर्सिटी के पास चाय की दुकान पर काम करने वाले 24 साल के नवीन सिंह का कुछ बदमाशों ने कार में गनपॉइंट पर अपहरण कर लिया। बदमाशों को शक था कि नवीन पुलिस का मुखबिर है और उसी की सूचना पर हाल ही में उनके सट्टे के ठिकाने पर पुलिस ने कार्रवाई की थी। बदमाशों ने चलती कार में युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की और उससे नकदी समेत चांदी का ब्रेसलेट लूट लिया।

बातचीत के बहाने कार में बिठाया

घटना 28 मई की रात करीब 11 बजे की है। पीड़ित नवीन सिंह बागसेवनिया के पिपलिया पेंडे खान इलाके का रहने वाला है। रोज की तरह वह दुकान के बाहर टहल रहा था, तभी एक कार आकर रुकी। कार में से विवेक डांगी नाम का एक युवक उतरा, जिसे नवीन पहले से जानता था। विवेक के साथ एक और लड़का था। उन्होंने नवीन पर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया। जब नवीन ने इस बात से इनकार किया, तो बदमाशों ने कहा कि चलो कार में बैठकर आराम से बात करते हैं। पीड़ित नवीन सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मुख्य आरोपी विवेक डांगी और उसके साथियों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वीरमणि पांडे, एएसआई (जांच अधिकारी)

पार्टी के दौरान ऐसे भागा पीड़ित

जैसे ही नवीन कार के अंदर बैठा, उसने देखा कि अंदर विवेक के अलावा चार और लड़के हथियार लिए बैठे थे। बदमाशों ने तुरंत कार दौड़ा दी और नवीन के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। बदमाशों ने उससे 8 हजार रुपये कैश और चांदी का ब्रेसलेट छीन लिया। कार जब गोहरगंज के पास पहुंची, तो आरोपी कार रोककर शराब पार्टी करने लगे। इसी बीच मौका पाकर नवीन कार से कूदा और राहगीरों की मदद से अपनी जान बचाकर सीधे पुलिस स्टेशन पहुँचा।

बर्फ की सिल्लियों को चाट रहे कुत्ते, जूस की दुकानों में होता है इस्तेमाल, भोपाल नगर निगम ने की कठोर कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। में बर्फ की सिल्ली को कुत्ते चाटते दिखे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की है। साथ ही आरोपी दुकानदार पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

बर्फ की सिल्ली चाट रहे हैं कुत्ते

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो देखकर पता चल रहा है कि कैसे लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जूस और अन्य खाद्य सामाग्रियों में इस्तेमाल होने वाले बर्फ को कुत्ते चाट रहे थे। कुत्ते झुंड में बर्फ की सिल्लियों को चाटते दिख रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की है।

काजी कैंप इलाके का है वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो भोपाल के काजी कैंप इलाके का है। बर्फ विक्रेता दूषित तरीके

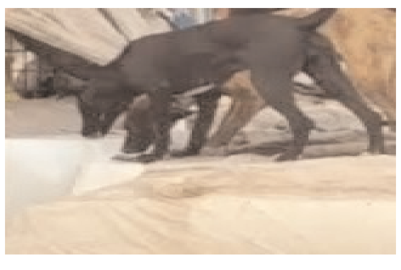

से बर्फ बेच रहा था। आवारा कुत्ते बर्फ की सिल्ली चाट रहे हैं। साथ ही उस पर गंदगी फैला रहे हैं। दुकानदार इन सिल्लियों को ग्राहकों को बेच भी रहा है। यह सीधे-सीधे लोगों की सेहत से खिलवाड़ है।

नगर निगम ने की कार्रवाई

वहीं, स्थानीय लोगों ने वीडियो के साथ आरोपी दुकानदार की शिकायत नगर निगम से की है। इसके बाद वार्ड-16 में पहुंचकर नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की है। जांच में पता चला है कि राजू साहू बर्फ डिपो का संचालक बिना ढके खुले में बर्फ रखकर बेच रहा था। साथ ही वहां पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। कुत्तों के संपर्क में आने से बर्फ संक्रमित हो चुकी थी।

2000 रुपए की चालानी कार्रवाई की

मौके पर पहुंचे नगर निगम के अधिकारियों ने दो हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की है। जनस्वास्थ्य के खतरे को देखते हुए पूरी दूषित बर्फ को तुरंत नष्ट करवा दिया है। इस बर्फ का इस्तेमाल मुख्य रूप से गन्ने के रस, बर्फ के गोले और शीतल पेय के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

गंभीर बीमारियों का है खतरा

वहीं, डॉक्टरों के अनुसार ऐसी संक्रमित बर्फ के सेवन से हैजा, पीलिया, टाइफाइड और पेट संबंधी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा ज्यादा है। गर्मी के मौसम में बड़े पैमाने पर गन्ने के रस की बिक्री होती है और उनमें बर्फ की सिल्ली का प्रयोग होता है। वहीं, नगर निगम ने सभी बर्फ व्यापारियों को सख्त हिदायत दी है।

'आपको दो घंटे में पहुंचना होगा दिल्ली', रिटायर्ड कर्मचारी के पास आया मैडम का फोन, IPS से वीडियो कॉल करवाकर 22 लाख ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मैहर: जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र में साइबर अपराध का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग को कई दिनों तक मानसिक रूप से बंधक बनाए रखा। उनसे 22 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने जब पूरी घटना अपने परिजनों को बताई तो मामला सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने दिल्ली के तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांच मई को आया था फोन

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम इटमा कोठार निवासी 69 वर्षीय मानेन्द्र सिंह, जो लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) से टाइम कीपर पद से सेवानिवृत्त हैं। 5 मई 2026 की शाम एक फोन कॉल प्राप्त हुआ। कॉल करने वाली महिला ने अपना नाम अदिति शर्मा बताते हुए खुद को दिल्ली टेलीकॉम विभाग की अधिकारी बताया। महिला ने दावा किया कि पीड़ित के नाम पर दिल्ली में एक बैंक खाता संचालित है, जिसका उपयोग करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुआ है।

दो घंटे में दिल्ली पहुंचिए

महिला ने उन्हें गिरफ्तारी का भय दिखाते हुए कहा कि यदि वे दो घंटे के भीतर दिल्ली नहीं पहुंचे तो उनके खिलाफ वारंट जारी कर दिया जाएगा। जब बुजुर्ग ने अपनी उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देकर दिल्ली जाने में असमर्थता जताई। उनकी बात कथित आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार गौतम से कराई गई। इसके बाद प्रदीप सिंह नामक व्यक्ति ने खुद को सीबीआई का टीम लीडर बताते हुए मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया। ठगों ने बुजुर्ग को इस तरह डराया कि वे पूरी तरह उनके नियंत्रण में आ गए। आरोपियों ने उन्हें किसी से भी बातचीत न करने की चेतावनी दी और हर घंटे व्हाट्सएप कॉल व संदेश के माध्यम से संपर्क बनाए रखा। यहां तक कि उन्हें WE ARE SAFE नामक कोडवर्ड भेजने के लिए भी मजबूर किया जाता था, ताकि उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। इस दौरान पीड़ित कई दिनों तक मानसिक तनाव में घर के भीतर ही सीमित रहे।

15 दिनों तक रखा डिजिटल अरेस्ट

आरोपियों ने जांच के नाम पर बुजुर्ग से उनके बैंक खातों और फिक्स डिपॉजिट की जानकारी हासिल की। 18 मई को पीड़ित ने अपनी और पत्नी पुष्पा सिंह के नाम की चार एफडी तुड़वाकर लगभग 22.69 लाख रुपए एक खाते में जमा कर लिए। अगले दिन ठगों ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नाम से एक कथित पत्र भेजा और रकम सत्यापन के नाम पर एक निजी कंपनी के खाते में 22 लाख रुपये आरटीजीएस करा लिए। ठगों ने करीब 15 दिनों तक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट रखा। मैहर में रिटायर्ड कर्मचारी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी

पूर्व जज गिरिबाला सिंह अब कैदी नंबर 71... जेल में मिली थाली-कटोरी और चादर, बेटे को बैरक नंबर-4 में भेजा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ट्विशा शर्मा डेथ केस में पूर्व जज गिरिबाला सिंह अब भोपाल सेंट्रल जेल की कैदी हैं. ट्विशा की मौत मामले में उन्हें और उनके बेटे समर्थ सिंह को सेंट्रल जेल भेज दिया गया. जेल सूत्रों के मुताबिक, गिरिबाला सिंह को महिला मेडिकल सेक्शन में रखा गया है, जहां उनकी पहचान अब कैदी नंबर 71 से होगी. वहीं समर्थ सिंह को जेल की बैरक नंबर-4 में रखा गया है, जो कैदी नंबर 1782 हैं. ट्विशा शर्मा मौत मामले में भोपाल की अदालत ने पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. मंगलवार को दोनों को भोपाल सेंट्रल जेल भेजा गया. जेल सूत्रों के मुताबिक, गिरिबाला सिंह को महिला मेडिकल सेक्शन में रखा गया है. यहां उनकी पहचान अब कैदी नंबर 71 होगी. वहीं समर्थ सिंह को जेल की बैरक नंबर-4 में रखा गया है, जहां उनकी पहचान कैदी नंबर 1782 के रूप में होगी. जेल मैन्युअल के मुताबिक, दोनों को दैनिक उपयोग का सामान उपलब्ध कराया गया है. इनमें थाली, कटोरी और चादर जैसी जरूरी वस्तुएं शामिल हैं. मंगलवार को जब मामले की सुनवाई हुई तो 63 साल की गिरिबाला सिंह ने कोर्ट में अपने पक्ष की पैरवी खुद की. सुनवाई के दौरान उनकी और ट्विशा शर्मा के परिवार की ओर से पेश हुए वकील अनुराग श्रीवास्तव के बीच तीखी बहस हो गई. गिरिबाला सिंह ने आरोप लगाया कि

जबलपुर जिला कोर्ट परिसर में उनके बेटे समर्थ सिंह के साथ धक्कामुक्की और हाथापाई की गई थी. इस पर अनुराग श्रीवास्तव ने जवाब देते हुए कहा कि यदि ऐसा कोई घटनाक्रम हुआ है तो कोर्ट परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जानी चाहिए. इसके बाद दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया. सुनवाई के दौरान ट्विशा के परिवार की ओर से यह सवाल भी उठाया गया कि समर्थ सिंह को जबलपुर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के चेंबर में शरण कैसे मिली. समर्थ सिंह की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि यदि किसी व्यक्ति को अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस होता है तो उसे सुरक्षित स्थान पर शरण लेने का अधिकार है. 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थीं. उन्होंने एमबीए किया था और दिल्ली में मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशन सेक्टर में काम किया था. वे मॉडलिंग से भी जुड़ी रही थीं. ट्विशा 'मिस पुणे' का खिताब जीत चुकी थीं और एक तेलुगु फिल्म में भी काम कर चुकी थीं. दिसंबर 2025 में उनकी शादी भोपाल के वकील समर्थ सिंह से हुई थी. समर्थ, पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह के बेटे हैं. 12 मई 2026 को ट्विशा शर्मा अपने भोपाल स्थित ससुराल में मृत पाई गई थीं. शुरुआती जानकारी में इसे आत्महत्या का मामला बताया गया था. कहा गया कि वे फंदे से लटकी मिली थीं.

इंजीनियर ढोंगी बाबा का मायाजाल! 90 हजार की नौकरी छोड़ मुंबई से साथ रहने चली आई थी लड़की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। उत्तरप्रदेश के मथुरा में ऑनलाइन प्रवचन के नाम पर पढ़ी-लिखी लड़कियों का यौन शोषण करने वाला इंजीनियर बाबा अभिषेक मिश्रा उर्फ आदिकर्ता के कारनामे सुनकर पुलिस भी हैरान हो जा रही है। उसने छत्तीसगढ़ की बीटेक पास एक लड़की को अपने चंगुल में फंसाया। लड़की ने उसके प्रभाव में आकर अपनी 90 हजार की नौकरी छोड़ दी और अभिषेक के साथ मथुरा आकर रहने लगी। लड़की इसके बाद कभी अपने घर वापस नहीं लौटी। परेशान होकर लड़की के पिता ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बताया कि अभिषेक मिश्रा आईआइटी रुड़की से पासआउट है। वह मुंबई में अच्छी कंपनी में नौकरी करता था। युवती भी उसी के साथ काम करती थी। अभिषेक वहां से नौकरी छोड़कर मथुरा के राधाकुंड में आ गया। कुछ दिन लड़की भी नौकरी छोड़कर उसके साथ रहने मथुरा आ गई। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। पिता ने बेटी को वापस लाने का बहुत प्रयास

किया घरवालों ने बेटी को मनाने का बहुत प्रयास किया पर वह टस से मस नहीं हुई। इसकी वजह से घरवाले परेशान हो गई। हारकर वह पुलिस की शरण में पहुंचे। पिता ने बताया कि उन्होंने पुश्तैनी जमीन बेचकर बेटी को इंजीनियर बनाया। बेटी होनहार थी। इसलिए पढ़ाई पूरी होते ही उसका चयन मुंबई की एक नामी कंपनी में 90 हजार रुपये में हो गया। बाद में अभिषेक मिश्रा के झांसे में आकर उसने नौकरी छोड़ दी।

मुंबई की कंपनी में हुई थी मुलाकात

पुलिस ने बताया कि 29 साल का अभिषेक उर्फ आदिकर्ता नारायण दास मूलरूप से ओडिशा का है। उसकी मां सरकारी स्कूल में प्रधानाध्यापिका थीं। रिटायर होने के बाद वह 2022 में भक्ति करने के लिए वह राधाकुंड आ गई। यहां वह किराये के मकान में रहने लगी। अभिषेक ने आईआईटी रुड़की से मैकैनिकल इंजीनियरिंग की। पढ़ाई पूरी होने के बाद वह 2023 में मुंबई की किसी कंपनी में नौकरी करने लगा। यहीं पर छत्तीसगढ़ की युवती से उसकी मुलाकात हुई। करीब साल भर बाद अभिषेक अपनी नौकरी छोड़कर मां के पास राधाकुंड आ गया। कुछ दिन बाद युवती भी उसके पास रहने आ गई। नाराज होकर मां वापस ओडिशा लौट गई। अब अभिषेक ने यहां अपना जाल फैलाना शुरू कर दिया। उसने सोशल मीडिया और गूगल मीट के जरिये युवक और युवतियों को जोड़कर ज्ञान का पाठ पढ़ाने लगा और अपने पास बुलाने लगा। इसे बाद उसने तीन और युवतियों को जाल में फंसाया। पुलिस जांच में पता चला कि दो दर्जन से ज्यादा युवक और युवतियां बाबा का महिमामंडन करती थीं।

समलैंगिक संबंध का प्राइवेट वीडियो और धमकी...3 दोस्तों ने मिलकर चौथे को दी दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुर। उत्तरप्रदेश के रामपुर में एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई. जांच में पुलिस ने उसी के तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया तो बड़ा खुलासा सामने आया है. मालूम हुआ आरोपियों में से एक के साथ मृतक के समलैंगिक संबंध थे जिनका उसने वीडियो बना लिया था. वह इसी वीडियो को लीक करने की धमकी देता था. इस ब्लैकमेलिंग से छुटकारा पाने के लिए आरोपियों ने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उसकी जान ले ली. उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर के थाना सैफनी पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा कर दिया है. बीती 26 मई थाना सैफनी पुलिस को एक सूचना प्राप्त हुई थी जिसमें एक युवक का शव बरामद हुआ था जिसकी गर्दन पर धारदार हथियार के निशान मिले थे. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की और घटना की जांच में जुट गई. आज घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी. सर्विलांस, एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मृतक के परिचित थे और राजस्थान में उसके साथ काम करते थे. पूछताछ में सामने आया कि समलैंगिक संबंधों से जुड़ा एक वीडियो विवाद और हत्या की असली वजह बना. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का टूटा मोबाइल फोन, चेन, अंगूठी और नकदी भी बरामद की है.

मामा ने साथ में की दारू पार्टी फिर भांजे को मर्डर कर फेंक दिया खेत में, लखनऊ में सनसनीखेज वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखनऊ के इटौंजा क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है. आइसक्रीम पार्लर चलाने वाले युवक की कथित तौर पर उसके ही रिश्ते के मामा ने हत्या कर दी. शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद युवक का शव केले के खेत में मिला. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है. लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां एक आइसक्रीम पार्लर संचालक की उसके ही रिश्ते के मामा ने बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भांजे के शव को केले के खेत में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस ने आरोपी मामा को हिरासत में ले लिया है और उससे कड़ी पूछताछ की जा रही है. पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि मड़ियांव का रहने वाला 22 साल का सचिन सिंह जानकीपुरम पर आइसक्रीम पार्लर चलाता था. सोमवार रात करीब 9 बजे उसका रिश्ते का मामा ब्रजेश सिंह उसे अपने साथ इटौंजा ले गया था. देर रात दोनों ने मिलकर शराब पार्टी की. मौके से शराब की बोतल भी बरामद हुई है. नशे की हालत में दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई. विवाद इतना बढ़ा कि मामा ब्रजेश ने अपने ही भांजे सचिन का गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया. हालांकि, हत्या की असली वजह क्या थी, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है. वारदात का खुलासा मंगलवार सुबह तब हुआ जब गांव के ही एक युवक ने ब्रजेश के बड़े भाई पौरूष सिंह को बताया कि ब्रजेश ने सचिन की हत्या कर दी है. इसके बाद परिजनों में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी तुरंत मड़ियांव और फिर इटौंजा पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंचे परिजनों और पुलिस को ब्रजेश के घर से करीब 500 मीटर दूर केले के खेत में सचिन का शव मिला. सचिन के शरीर पर सिर्फ नेक्कर और बनियान थी और उसके गले पर रस्सी से कसने के गहरे निशान थे. वारदात के बाद आरोपी ब्रजेश का मोबाइल बंद था और वह फरार हो गया था, लेकिन उसके बड़े भाई पौरूष ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे इटौंजा से ढूंढ निकाला और झांसा देकर पुलिस के हवाले कर दिया. इस खौफनाक वारदात से परिवार सदमे में है. मृतक के नाना ने बताया कि सचिन और ब्रजेश भले ही रिश्ते में मामा-भांजे थे, लेकिन दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी. दोनों हमेशा साथ में ही घूमते-फिरते थे और हर रिश्तेदारी में भी साथ जाते थे. सोमवार रात करीब 10 बजे सचिन ने अपनी मां को फोन कर बताया भी था कि वह ब्रजेश मामा के घर पर है

गाजियाबाद में 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप': 3 अवैध मदरसे सील, थानों में तख्ती लेकर पहुंचे 80 हिस्ट्रीशीटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। सूर्या हत्याकांड के बाद गाजियाबाद के खोड़ा इलाके को अपराध मुक्त करने के लिए पुलिस-प्रशासन ने 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तीसरे दिन तीन अवैध मदरसे सील किए गए, 600 अपराधियों का सत्यापन हुआ और 150 से अधिक बदमाशों से थानों में भविष्य में अपराध न करने की शपथ दिलवाई गई. यूपी के गाजियाबाद में पुलिस-प्रशासन का 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' जारी है. सूर्या हत्याकांड के बाद खोड़ा इलाके को अपराध मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे इस ऑपरेशन के तीसरे और फाइनल दिन मंगलवार को तीन अवैध मदरसों को सील कर दिया. वक्फ निरीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर की गई इस कार्रवाई में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा. पुलिस ने घर-घर जाकर 600 अपराधियों का सत्यापन किया, संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और पुराने बदमाशों से अपराध न

करने की शपथ दिलवाई.

खोड़ा के तीन अवैध मदरसे किए गए सील

आपको बता दें कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे रविन्द्र गौड़, डीएम रविन्द्र एम और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कैलाश चन्द्र तिवारी की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन की अगुवाई की. मोहल्ले-मोहल्ले जाकर अपराधियों की शिनाख्त की गई और कानूनी एक्शन लिया गया. इन सबके बीच प्रशासन की टीम ने खोड़ा के मदरसा रहमानिया अरबिया कासिम-उल उलूम (मोहल्ला बीरबल), सुल्तान अलारफीन मदरसा और एक अन्य मदरसे को सील कर नोटिस चस्पा कर दिया है. यह कार्रवाई मदरसों के गैर-मान्यता प्राप्त होने, अवैध संचालन, कार्यालय में पंजीकृत न होने और परिसर में अग्निशमन व विद्युत सुरक्षा विभाग की एनओसी न होने के कारण की गई. संचालक को अपना पक्ष रखने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है. अपराधियों का सत्यापन और थानों में ली शपथ 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' का असर अब पूरे गाजियाबाद जिले में दिखने लगा है. खोड़ा कॉलोनी में घर-घर जाकर 3 दिन के अंदर 600 अपराधियों और हिस्ट्रीशीटर्स का वेरिफिकेशन किया गया.

मदर डेयरी ने तैयार किया मिट्टी में गलने वाला पैकेट, पर्यावरण दिवस पर काऊ मिल्क की पैकेजिंग के साथ आएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में एक अनोखा कदम उठाया है। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा दूध का पैकेट पेश किया है, जो मिट्टी में अपने आप प्राकृतिक रूप से गल जाएगा। यह पैकेट पर्यावरण में प्लास्टिक का नामोनिशान भी नहीं छोड़ेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इस नए और आधुनिक पैकेट की वजह से ग्राहकों के लिए दूध की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। फिलहाल इसे काऊ मिल्क की पैकेजिंग के लिए यूज किया जाएगा। बाद में अन्य प्रोडक्ट में लाया जाएगा। दिल्ली-एनसीआर में सबसे पहले इसकी शुरुआत की जा रही है। मदर डेयरी आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इसकी शुरुआत करने जा रही है। इस नई तकनीक को तैयार करने के पीछे कंपनी की सालों की मेहनत छिपी है। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने बताया कि प्राकृतिक रूप से गलने वाले इस पैकेट को विकसित करने में कंपनी को 4 साल से भी ज्यादा का समय लगा है।

2 साल में मिट्टी में घुल जाएगा पैकेट

यह पैकेजिंग इस तरह से बनाई गई है कि मिट्टी में जाने के बाद यह एक खास मोम (बायोअवेलेबल वैक्स) में बदल जाती है। इसके बाद मिट्टी में मौजूद छोटे-छोटे जीवाणु (माइक्रोब्स) इसे पूरी तरह से प्राकृतिक तत्वों में बदल देते हैं। जहां आम प्लास्टिक को गलने में सैकड़ों साल लग जाते हैं, वहीं यह पैकेट 2 साल में ही मिट्टी में मिलकर गायब हो जाएगा। यह नया पैकेट पूरी तरह से रीसाइकिल तो रहेगा ही, साथ ही इसकी सबसे बड़ी खूबी यह होगी कि अगर यह कचरे में कहीं छूट भी जाता है, तो भी पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, इसे मदर डेयरी की कंपनी आईडीएमसी ने कई एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर तैयार किया है। मदर डेयरी नेशनल डेयरी डिवेलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन मीनेश शाह ने कहा कि मदर डेयरी का यह कदम डेयरी सेक्टर के लिए एक मिसाल है।

दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी, मई में 33 बच्चों समेत 124 लोगों को परिवारों से मिलाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने मई महीने में लापता और अपहृत 124 लोगों को उनके परिवारों से वापस मिलाया है। लापता और अपहृत व्यक्तियों की रिपोर्ट मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यह सफलता हासिल की है। इस तरह इस साल 31 मई तक दिल्ली पुलिस ने कुल 673 लोगों को परिवारों से मिलाया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता या अपहृत व्यक्तियों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

कैसे मिली कामयाबी, पुलिस ने दी जानकारी

पुलिस ने कहा कि लापता और अपहृत व्यक्तियों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और विक्रेताओं से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियानों के दौरान स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली गई। इसके अलावा, आस-पास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी अच्छी तरह से जांच की गई।

33 बच्चे और 91 वयस्क परिजनों से मिलेः पुलिस

अधिकारियों ने बताया कि इन तेज और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस एक मई से 31 मई के बीच 124 लापता व्यक्तियों, जिनमें 33 बच्चे और 91 वयस्क थे, का पता लगाने में सफल रही। पुलिस टीमों ने ' ऑपरेशन मिलाप ' के तहत इन व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाने में समर्पण और पेशेवर रवैया दिखाया।

लापता या अपहृत लोगों को ढूंढने में सफल पुलिस

दिल्ली के वसंत विहार, आरके पुरम, साउथ कैंपस, वसंत कुंज नॉर्थ, वसंत कुंज साउथ, कापसहेड़ा, पालम गांव, सागरपुर, दिल्ली कैंट, सरोजिनी नगर, एसजे एन्क्लेव और किशनगढ़ थाना क्षेत्रों के अंतर्गत लापता या अपहृत लोगों को ढूंढने में पुलिस सफल हुई है। पुलिस ने बताया कि टीमें एक जनवरी से 31 मई के दौरान चलाए गए ऑपरेशन्स में ऐसे कई लापता व्यक्तियों और अगवा हुए या लापता बच्चों का पता लगाने में भी सफल.

महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को दी बड़ी राहत, 56 लाख किसानों को 36585 करोड़ रुपये का कर्ज होगा माफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए 36585 करोड़ रुपये की 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर शेतकरी कर्जमाफी योजना' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। सरकार के इस कदम से राज्य के करीब 56 लाख किसानों को कर्ज के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत योजना के तहत किसानों के दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए जाएंगे।

किन किसानों को मिलेगी योजना का लाभ

इस योजना का लाभ केवल उन किसानों को मिलेगा जिनका कृषि ऋण 30 सितंबर 2025 तक बकाया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, योजना के दायरे में 65 लाख से अधिक ऋण खाते शामिल किए जाएंगे। लगभग 56 लाख किसानों को इसका सीधा फायदा मिलेगा। 50,000 रुपये तक का प्रोत्साहन लाभ दिया जाएगा सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कर्जमाफी पैकेज राज्य के किसानों को आर्थिक मजबूती देने और कृषि क्षेत्र में वित्तीय संकट को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में मौसम की अनिश्चितता, उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार की चुनौतियों के कारण किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। मंत्रिमंडल ने केवल कर्जमाफी ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से ऋण चुकाने वाले किसानों को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत समय पर फसल ऋण चुकाने वाले पात्र किसानों को 50,000 रुपये तक का प्रोत्साहन लाभ दिया जाएगा। सरकार का मानना है

महाराष्ट्र में 4 साल के बच्चे की हत्या, मां के प्रेमी ने पीट-पीटकर मार डाला

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में चार साल के बच्चे की उसकी मां के प्रेमी शंभू शर्मा ने पीट-पीटकर हत्या कर दी. शुरुआती तौर पर मौत को सामान्य बताया गया था,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। जिले में एक चार साल के बच्चे को उसकी मां के प्रेमी ने पीट-पीटकर मार डाला. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. हालांकि पुलिस अभी तक इस अपराध के पीछे का मकसद पता नहीं लगा पाई है.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज

आरोपी की पहचान शंभू शर्मा के रूप में हुई है. सोमवार को बच्चे की मौत की शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को शक होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. यह घटना काशीमीरा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई. पुलिस के अनुसार बच्चे की मां शर्मा के साथ रह रही थी. आरोप है कि आरोपी ने घर पर ही बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि मौत को स्वाभाविक बताने की कोशिश की गई थी. हालांकि, पंचनामे के दौरान पुलिस ने बच्चे के शरीर पर चोट के निशान देखे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत मारपीट के कारण लगी गंभीर अंदरूनी चोटों से हुई है. पुलिस ने बताया कि इन नतीजों के आधार पर पुलिस ने शर्मा को हिरासत में ले लिया और उसने बच्चे को पीटने की बात कबूल कर ली. अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को शर्मा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया. उन्होंने आगे कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि उसने बच्चे के साथ मारपीट क्यों की और क्या बच्चे की मां को इस कथित अपराध के बारे में पता था.

मुंबई की 7 झीलों में बचा 45 दिन का पानी, IMD की भविष्यवाणी ने बढ़ाई बीएमसी की टेंशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबईकरों के लिए पेयजल संकट बढ़ने वाला है। मंगलवार को मुंबई की सातों झीलों में पानी का स्टॉक 15 फीसदी यानी 2.21 लाख क्यूसेक ही बचा है। बीएमसी के मुताबिक, इस स्टॉक से सिर्फ 45 दिन वॉटर सप्लाई हो सकती है। अगर आने वाले मॉनसून सीजन में जोरदार बारिश नहीं हुई तो अगले साल भी पानी का संकट बढ़ सकता है। बता दें कि आईएमडी ने इस साल देश में सिर्फ 90 फीसदी औसत बारिश की भविष्यवाणी की है। मुंबई में पहले से ही वॉटर सप्लाई में 10 फीसदी की कटौती कर चुका है। टैंकर भरने वाले पॉइंट्स पर निगरानी सख्त कर दी गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम ने लोगों से पानी बर्बाद नहीं करने की अपील की है।

7 झीलों में बचा 2.21 लाख क्यूसेक पानी

मौसम विभाग की भविष्यवाणी ने बीएमसी अधिकारियों की टेंशन बढ़ा दी है। सोमवार को बीएमसी ने 2027 की गर्मियों तक वॉटर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लंबी मीटिंग की। मुंबई के 2.20 करोड़ लोगों के लिए बीएमसी सात झीलों अपर वैतरणा, मोदक सागर, तानसा, मिडिल वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी पर निर्भर है। इन झीलों की कुल क्षमता 14.47 लाख मिलियन लीटर है, जो बारिश के पानी से ही फुल होती है। फिलहाल इन झीलों में सिर्फ 2.21 लाख क्यूसेक पानी है, जिससे 45 दिन तक मुंबईकरों की प्यास बुझाई जा सकती है। मॉनसून के शुरुआती दो महीनों की बारिश से ही सात झील भर जाती है। अगर ऐसा होता है तो मुश्किल नहीं होगी, भले ही पूरे सीजन में बारिश कम हो। बीएमसी फिलहाल नहीं होगी वॉटर सप्लाई में कटौती जून से सितंबर तक चलने वाले मॉनसून में अगर बारिश नहीं हुई तो 2027 की गर्मी में पेयजल संकट गहरा सकता है। बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि मॉनसून के शुरुआती दो महीनों की बारिश से ही सात झील भर जाती है। अगर ऐसा होता है तो मुश्किल नहीं होगी, भले ही पूरे सीजन में बारिश कम हो। अगर किसी कारणवश बांध नहीं भरे तो हमें वैकल्पिक तैयारी करनी होगी। बीएमसी अगले दो-तीन महीनों तक स्थिति पर नजर रखेगी। बीएमसी ने साफ किया है कि अभी वॉटर सप्लाई में और कटौती का प्लान नहीं है।

एयर इंडिया बिल्डिंग मुंबई पर महाराष्ट्र का कब्जा, नरीमन पॉइंट की 22 मंजिला इमारत में शिफ्ट होंगे सरकारी दफ्तर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सरकार ने दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' के पास स्थित एयर इंडिया भवन का औपचारिक रूप से अधिग्रहण कर लिया। एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग कंपनी और राज्य के लोक निर्माण विभाग के बीच इस संबंध में समझौतों का हस्तांतरण हुआ। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में यह प्रक्रिया पूरी की गई। एयर इंडिया बिल्डिंग मुंबई और देवेंद्र फढणवीस कैबिनेट की मंजूरी के तीन साल बाद महाराष्ट्र सरकार ने नरीमन पॉइंट पर मौजूद मशहूर एयर इंडिया बिल्डिंग को अपने कब्जे में ले लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एयर इंडिया बिल्डिंग के समझौते के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की अध्यक्षता की। CM फडणवीस ने TOI को बताया कि इससे न सिर्फ़ किराए की बचत होगी, बल्कि सभी दफ़्तर एक ही जगह आ जाएंगे। साल 2023 में, राज्य कैबिनेट ने मंत्रालय के विस्तार और राज्य सरकार के दफ्तरों को वहां शिफ्ट करने के लिए नरीमन पॉइंट स्थित एयर इंडिया बिल्डिंग को खरीदने की योजना को मंजूरी दी थी।

सरकार ने 1601 करोड़ रुपये दिए

कैबिनेट ने एयर इंडिया पर बकाया सभी 'अनअर्न्ड इनकम' और अन्य जुर्माने माफ़ करने का फैसला किया था, ताकि राज्य सरकार जल्द से जल्द इस मशहूर इमारत का कब्ज़ा ले सके। राज्य सरकार ने इस इमारत के लिए लगभग 1601 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इस अधिग्रहण के साथ, 22 मंज़िला इस इमारत में सरकारी दफ़्तरों के लिए 46,470 वर्ग मीटर जगह उपलब्ध हो जाएगी। हर साल सरकार के बचेंगे 200 करोड़ अधिकारियों ने बताया कि अगर निजी इमारतों में चल रहे सभी सरकारी दफ़्तरों को एयर इंडिया बिल्डिंग में शिफ़्ट कर दिया जाता है, तो महाराष्ट्र सरकार को सालाना किराए में लगभग 200 करोड़ रुपये की बचत होगी। 6 महीने होगी बिल्डिंग की मरम्मत अधिकारियों के अनुसार, इस इमारत को इस्तेमाल के लायक बनाने में 6 महीने से ज़्यादा का समय लगेगा, क्योंकि इसकी लिफ़्टें काम नहीं कर रही हैं और इसके अंदरूनी हिस्से में काफ़ी काम करवाना पड़ेगा। इसके अलावा, इमारत 50 साल से भी ज़्यादा पुरानी होने के कारण इसका सेंट्रल एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था।

'बेटा सुसाइड से मरेगा, तू पागल हो सकती है...', डराकर फैलाया तंत्र मंत्र का जाल, कपल ने महिला से ठगे लाखों

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र राज्य के पुणे की एक महिला ने नासिक के दंपती पर तंत्र-मंत्र और कथित अलौकिक शक्तियों के नाम पर लाखों रुपये ठगने का आरोप लगाया है. महिला का दावा है कि उसे और उसके बेटे को अनिष्ट की आशंका दिखाकर विभिन्न शहरों में अनुष्ठान कराए गए. शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महाराष्ट्र के पुणे से अंधविश्वास और कथित तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक 53 साल की महिला ने नासिक निवासी दंपती पर 3.90 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है. महिला का कहना है कि कपल ने खुद को विशेष आध्यात्मिक और अलौकिक शक्तियों वाला बताकर उसके परिवार की परेशानियां दूर करने का दावा किया और इसी बहाने उससे बड़ी रकम वसूल ली.

'परिवार पर निगेटिव एनर्जी का प्रभाव'

पुलिस के अनुसार, इस मामले में कमलेश शिवकुमार अधिकारी और उनकी पत्नी गौरी कमलेश अधिकारी के खिलाफ लोहेगांव पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है. आरोप है कि दोनों ने महिला को विश्वास दिलाया कि उसके परिवार पर निगेटिव एनर्जी का प्रभाव है और विशेष अनुष्ठानों के जरिए ही उससे छुटकारा पाया जा सकता है. शिकायत में महिला ने बताया कि दंपती ने उसे डराया कि यदि बताए गए धार्मिक और तांत्रिक अनुष्ठान नहीं किए गए तो उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ सकती है और उसके बेटे की सुसाइड के चलते जान जा सकती है. इसी डर के चलते वह उनके संपर्क में बनी रही. महिला का आरोप है कि साल 2023 से 2024 के बीच उसे और उसके बेटे को नासिक, उज्जैन और कोलकाता समेत कई स्थानों पर ले जाया गया, जहां अलग-अलग तरह के अनुष्ठान कराए गए. इस दौरान दंपती ने ऑनलाइन ट्रांसफर और नकद भुगतान के जरिए उससे कुल 3.90 लाख रुपये लिए.

महिला से ठगे 3.90 लाख

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, महिला को बाद में पता चला कि आरोपित दंपती के खिलाफ नासिक में भी इसी तरह के धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है. इसके बाद उसने महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के सदस्यों से संपर्क किया और उनकी सलाह पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.

दिल्ली के मॉडल दिव्यांशु जोशी की केरल में मौत, 20 साल से बंद पड़ी खादान में आखिर क्या हुआ?

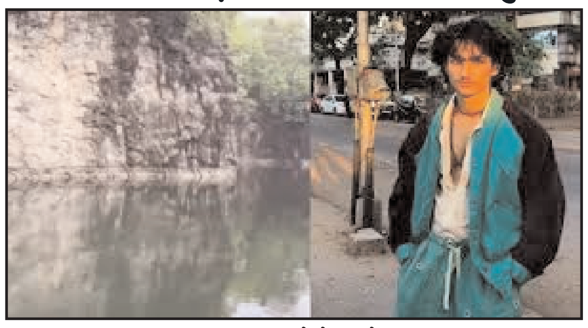

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एर्नाकुलम। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक विज्ञापन शूट के लिए लोकेशन की तलाश करते समय, दिल्ली के रहने वाले 26 वर्षीय एक मॉडल की एक सुनसान पत्थर की खदान में डूबने से मौत हो गई। दिव्यांशु जोशी कपड़ों के एक ब्रांड के कमर्शियल शूट के लिए कोच्चि गए थे। यह घटना 28 मई की दोपहर को शांत पेट्टमाला इलाके में हुई। दिव्यांशु जोशी दिल्ली से केरल गए। उन्हें एर्नाकुलम की एक लोकेशन पर शूट करना था। जोशी और उनका एक दोस्त उस जगह पर गए, जो बहुत खतरनाक माना जाता है। यहां पर दिव्यांशु जोशी की डूबकर मौत हो गई। दिल्ली के मॉडल दिव्यांशु जोशी की मौत ने केरल में सनसनी मचा दी है। अधिकारियों के अनुसार, कई लोगों की मौत के बाद यह खदान 20 साल से भी ज़्यादा समय से बंद थी। इस जगह पर जाने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस के अनुसार दिव्यांशु जोशी खदान के पानी में उतरे और ज़ाहिर तौर पर फिसल गए, जिससे कुछ ही पलों में उनका संतुलन बिगड़ गया। उनके दोस्त, जो उस समय उनका वीडियो बना रहे थे, ने आस-पास रहने वालों को सचेत किया, जिन्होंने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। आपातकालीन कॉल मिलने के बाद, आग बुझाने और बचाव कार्य करने वाली टीम तुरंत मौके पर पहुंची। रिपोर्ट के अनुसार, जोशी को लगभग 30 फीट की गहराई से बाहर निकाला गया और पेरुम्बावूर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।,20 साल पहले बंद कर दी गई थी खदान पुलिस ने बताया कि यह खदान, जो 20 साल से भी ज़्यादा समय से बंद पड़ी है। यह इलाका बेहद खतरनाक माना जाता है। इसके कुछ हिस्सों में पानी की गहराई लगभग 100 फीट तक है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि इस समूह ने सोशल मीडिया पर चल रहे खदान के हवाई वीडियो से प्रभावित होकर इस जगह को चुना था। स्थानीय पंचायत अध्यक्ष, शिमी वर्गीस ने बताया कि यह जगह लंबे समय से एक खतरनाक जगह के तौर पर जानी जाती रही है। 2017 में हुई थीं 3 मौतें मुडाक्कुझा ग्राम पंचायत की अध्यक्ष शैमी वर्गीस के अनुसार, उस खदान में शूट करने के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी गई थी, जो दो दशकों से भी ज़्यादा समय से बंद पड़ी है। 2017 में, जब वहां कुछ लोगों की मौत की खबरें आईं, तो वहां एक गेट लगाया गया था। यह जमीन राजस्व विभाग की है.

दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड पर पीएम मोदी-सीएम रेखा गुप्ता ने जताया दुख, PMO ने किया मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। जिसमें अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई घायलों को बाहर निकाला जा चुका है। अब इस हादसे पर पीएम मोदी व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से हादसे में मृतक को परिजनों को मुआवजे का ऐलान किया गया है। दिल्ली मोदी ने मालवीय नगर अग्निकांड पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।'

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान

इसके साथ ही पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मालवीय नगर में हुई भीषण अग्निकांड की घटना में हुई जनहानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा इस हृदयविदारक त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों को शक्ति और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करती हूं।'मुख्यमंत्री ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा, 'दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण CATS एम्बुलेंस सेवा तथा अन्य आपातकालीन एजेंसियों की टीमों को तत्काल सक्रिय किया गया और उन्होंने बचाव एवं राहत कार्य शुरू कर दिया गया था। उनकी त्वरित कार्रवाई के कारण प्रभावित परिसर से कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उनका सफलतापूर्वक बचाया गया है।

दिल्ली में अवैध कॉलोनियों को पक्का कराने की तेज होगी रफ्तार! स्टेप-बाय-स्टेप पूरा प्रोसेस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में अनधिकृत कॉलोनियों को जैसा है, जहां है, की शर्त पर पक्का करने की घोषणा के बाद भी लोग उसमें रुचि नहीं दिखा रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो घोषणा के करीब एक महीने बाद भी अभी तक करीब 1700 आवेदन ही स्वगम पोर्टल पर मिले हैं, जबकि दिल्ली में 1511 कॉलोनियां हैं। अनधिकृत कॉलोनी वालों के इस रवैये पर दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग जागरूकता अभियान चलाने जा रहा है। यही नहीं, सूत्र बताते हैं कि सीएम रेखा गुप्ता जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी करेंगी। केंद्र सरकार ने बीते माह 7 अप्रैल को दिल्ली की 1731 में से 1511 कॉलोनियों को जैसा है, जहां है के आधार पर पक्का करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही इसकी पूरी जिम्मेदारी डीडीए से लेकर दिल्ली सरकार और एमसीडी को दी थी। डीडीए पहले ही 40 हजार कन्वेंस डीड जारी कर चुका है, लेकिन वो लोग भी स्वगम पोर्टल पर अपने घर को पक्का कराने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आवेदनों की इतनी कम संख्या से हम भी हैरान हैं। इसलिए अब जागरूक करने के लिए अभियान चलाएंगे। 1511 अनधिकृत कॉलोनियां मौजूद आधार पर होंगी पक्की 1700-2000 आवेदन अब तक स्वगम पोर्टल के जरिए मिले 45 दिन में पूरी प्रक्रिया को पूरा करने का लक्ष्य हर जिले में बनी खास टीम राजस्व विभाग ने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों को पक्का करने के लिए हर जिले में एडीएम की निगरानी में स्पेशलाइज्ड टीम का गठन कर दिया गया है। डीएम, एडीएम समेत पूरी टीम को ट्रेनिंग का काम पूरा हो चुका है।

जिले में जनमानस को मिले गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं की बुनियादी अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करने के मद्देनजर डॉक्टरों से संवाद किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ोत्तरी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जिले में जनमानस को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 3 करोड़ 56 लाख 70 हजार रूपए की लागत से निर्मित जिला चिकित्सालय भवन के ऊंचाई विस्तार कार्य का लोकार्पण किया गया है तथा 2 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। जिससे जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सशक्त अधोसंरचना मिलेगी। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में जिला चिकित्सालय में पानी भरने की समस्या होती थी। जिसे दूर करने के लिए उन्नयन कार्य किया गया है। तीन फीट ऊपर होने के बाद ऊंचाई बढ़ गई है, जिससे पानी भरने की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों एवं जीवन दीप समिति की लगातार चिंता से स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समर्पित एवं प्रतिबद्ध डॉक्टरों की टीम है। उन्होंने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। स्वास्थ्य मापदण्डों में निरंतर सुधार करते हुए अधोसंरचना को मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, आधुनिक और प्रभावी बनाने जिला चिकित्सालय हेतु सीटी स्कैन, डिजिटल एक्स-रे एवं डेंटल एक्स-रे मशीनों उपलब्धता के लिए कहा।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज 6 करोड़ 42 लाख 70 हजार रूपए की लागत से जिला चिकित्सालय के प्लिंथ अपग्रेडेशन एवं उन्नयन कार्य का लोकार्पण तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का शिलान्यास किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 3 करोड़ 56 लाख 70 हजार रूपए की लागत से निर्मित जिला चिकित्सालय भवन के ऊंचाई विस्तार कार्य का लोकार्पण किया गया है तथा 2 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मजबूत अधोसंरचना है। राजनांदगांव जिला चिकित्सालय एवं शासकीय मेडिकल कालेज से स्वास्थ्य सेवाएं लेने वाले मरीजों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए सक्रियता एवं सजगता से कार्य किया जा रहा है। यह टीम के लिए उपलब्धि है। शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर सबसे बड़ी चुनौती है। जिसके खिलाफ राजनांदगांव जिले में लड़ाई लड़ी जा रही है। जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। मातृ मृत्यु दर के आंकड़े राज्य के औसत से कम है, यह एक सुखद संकेत है। जिला चिकित्सालय को और भी स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस किया जाएगा।

सुशासन तिहार-2026 की ऐतिहासिक सौगात, विद्युत नेटवर्क का होगा बड़ा विस्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। खैरागढ़-छुईखदान गंडई जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। 'मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना' के तहत जिले के बिजली विहीन 10 मजरा-टोलों में रोशनी पहुंचाने के लिए 3 करोड़ 83 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के समन्वित प्रयासों से जल्द ही निविदा (टेंडर) प्रक्रिया पूरी कर जमीनी स्तर पर तेजी से काम शुरू कर दिया जाएगा। विद्युत नेटवर्क का होगा बड़ा विस्तार वनांचल क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए इस योजना के तहत भारी-भरकम बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। इस राशि से प्रभावित इलाकों में 48 किलोमीटर लंबी 11 के.वी. लाइन, 13 किलोमीटर एल.टी. केबल, 63 केवीए के 2 नग और 25 केवीए के 9 नग वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री शाह आज से त्रिपुरा दौरे पर, अवैध घुसपैठ पर होगा कड़ा प्रहार

बीएसएफ सहित अन्य एजेंसियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के प्रयासों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 और 5 जून को त्रिपुरा के दौरे पर जा रहे है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी हालात का आकलन करने वाले है। बताया जा रहा हैं कि दौरे के दौरान सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य सीमा पार गतिविधियों को रोकने के उपायों पर विशेष चर्चा होगी।

इस बीच पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली क्षेत्र में पुलिस ने 18 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इसमें छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में इन लोगों को पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में उनके बांग्लादेशी नागरिक होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी के दस्तावेजों और पहचान की विस्तृत जांच की जा रही है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल प्रशासन ने हाल के दिनों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया तेज की है। इसके तहत विभिन्न जिलों में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के दौरान संबंधित लोगों को रखा जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बात दें कि त्रिपुरा भारत के उन राज्यों में शामिल है जिसकी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है। राज्य की करीब 856 किलोमीटर सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। हालांकि अधिकांश हिस्सों में सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है, लेकिन कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी रहती हैं। इसी वजह से केंद्र सरकार सीमा निगरानी को और प्रभावी बनाने पर जोर दे रही है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को भी प्राथमिकता दी है। ड्रोन, रडार, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे और अन्य इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी क्षमता बढ़ाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

इस बीच 8 से 11 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के अधिकारियों के बीच सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय वार्ता प्रस्तावित है। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध आव्रजन, मानव तस्करी, तस्करी रोकथाम और द्विपक्षीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने तथा समन्वय बढ़ाने के प्रयासों को बैठक से नई गति मिलने की उम्मीद है।

दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर गई युवती 5 दिन से लापता

सेना व राहत टीमें कर रही तलाश

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी में ट्रैकिंग के लिए गई नैनीताल की युवती का पांच दिन से कोई पता नहीं चला है। बबीता पांडे की तलाश के लिए सेना, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। ड्रोन के जरिए दयारा बुग्याल ट्रेक के दुर्गम क्षेत्रों को छाना जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं मिला है। बबीता के भाई हर्षित पांडे ने बताया कि उसकी बहन दो दोस्तों हरमनपाल और हरमनप्रीत के साथ गढ़वाल घूमने निकली थी। पहले वे हर्षिल गए और फिर दयारा बुग्याल की ट्रैकिंग पर निकले। 29 मई की रात को वे सभी रास्ते में गोई नामक स्थान पर रुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दोस्तों ने परिजनों को बताया कि अगली सुबह 4 बजे बबीता टेंट में नहीं थी और फोन करने पर उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। भाई का कहना है कि उसकी बहन उन दोनों के साथ गई थी, इसलिए सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं दोनों दोस्तों की थी। लापता बबिता नैनीताल जिले के रामनगर (चिल्किया) की रहने वाली है। वह अपने परिवार की सबसे बड़ी संतान और दो भाइयों हर्षित और तनुज की इकलौती बहन है। बबिता दिल्ली से एमबीए कर रही हैं और पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम नौकरी कर रही थी। उनके दोनों भाई रामनगर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े हैं। अभी उनकी मां और बड़ा भाई हर्षित उत्तरकाशी में खोजबीन के लिए गए हैं, जबकि घर पर उनके छोटे भाई तनुज, दादी और दिव्यांग पिता हैं।

योगी के मंत्री राजभर का विपक्ष पर निशाना......इंडिया गठबंधन में नहीं है कोई दम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलकर कमजोर और प्रभावहीन बताया है। विपक्षी दलों की प्रस्तावित बैठक से पहले उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल अपने-अपने राज्यों तक ही सीमित प्रभाव रखते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत राजनीतिक ताकत खड़ी करने में सफल नहीं हुए हैं। योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल नेताओं के पास अपने राज्यों में भले ही राजनीतिक आधार हो, लेकिन दूसरे राज्यों में उनका प्रभाव बेहद कम है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का प्रभाव पश्चिम बंगाल तक सीमित है, जबकि कांग्रेस भी कई राज्यों में अपना जनाधार खो चुकी है। इसके बाद में अलग-अलग राज्यों के क्षेत्रीय दलों के एक मंच पर आने मात्र से कोई मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार नहीं हो जाता। उनके अनुसार यही कारण है कि इंडिया गठबंधन अपेक्षित प्रभाव पैदा करने में असफल रहा है। राजभर की यह टिप्पणी तब आई है, जब सूत्रों के मुताबिक इंडिया ब्लॉक के नेता 8 जून को नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बैठक में विभिन्न विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने अपने नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में कोलकाता में प्रदर्शन किया था। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने विरोध कार्यक्रम का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वरिष्ठ नेताओं के साथ मार्च में शामिल हुईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी बैठकों और राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच विपक्षी एकता और गठबंधन की मजबूती आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बनी रहेगी।

ममता के विरोध प्रदर्शन पर दिलीप घोष का हमला, जनता और कार्यकर्ता साथ नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पार्टी सांसदों पर कथित हमलों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन को लेकर सुवेंदु सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि इस प्रदर्शन को न आम जनता का समर्थन मिला और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसमें अपेक्षित रुचि दिखाई। बीजेपी नेता घोष ने कहा कि जनता अपना जनादेश दे चुकी है और अब वह राजनीतिक प्रदर्शनों के बजाय विकास और प्रशासनिक कार्यों पर ध्यान चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों में सरकार के प्रति असंतोष बढ़ रहा है, जिसका असर हालिया प्रदर्शन में भी देखने को मिला। उनके अनुसार प्रदर्शन में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जनता इस तरह की राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बना रही है।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने कोलकाता के रानी रश्मोनी एवेन्यू में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता, जिनमें सांसद कल्याण बनर्जी और डोला सेन शामिल थे, उनके साथ मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान नेताओं को संविधान की प्रति हाथ में लिए हुए भी देखा गया। यह विरोध प्रदर्शन टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए हमले के आरोपों के बाद आयोजित किया गया। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि दक्षिण 24 परगना के दौरे के दौरान उन पर ईंट, पत्थर और अंडों से हमला किया गया, जिससे उन्हें चोट लगी। वहीं कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि चंदिताला थाना क्षेत्र के पास ज्ञापन सौंपने के दौरान उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई और वह बाल-बाल बच गए। इन आरोपों के बाद राज्य में राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। टीएमसी ने विपक्षी दलों पर अपने नेताओं को निशाना बनाने और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन घटनाओं के बाद राज्य में सियासी टकराव और तेज हो सकता है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगा रहे हैं और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

खालिस्तानी संगठन ने दी अंबाला कोर्ट, नगर निगम, रेलवे स्टेशन उड़ाने की डेडलाइन

अंबाला (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से अंबाला में भी सरकारी संस्थानों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। अब खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन की तरफ से एक धमकी भरा ईमेल आया है, जिसमें अंबाला शहर नगर निगम, अंबाला कोर्ट और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही है। इस मेल के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बता दें जिले में एक बार फिर दहशत है। इस बार आतंकियों की तरफ से 6 जून को इन सरकारी और सार्वजनिक जगहों पर बम से उड़ाने की डेडलाइन दी गई है। धमकी मिलने के बाद से ही पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है, लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये मेल कहां से आ रहे हैं? इन्हें कौन भेज रहा है और इसके पीछे किसकी गहरी साजिश है?

अंबाला पुलिस अब तक इन ईमेल्स के पीछे के मास्टरमाइंड का पर्दाफाश करने में नाकाम रही है। हर बार की तरह इस बार भी पुलिस के पास सिर्फ एक ही जवाब है कि जांच चल रही है और आरोपी जल्द पकड़ लिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं और नगर निगम में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं रेलवे स्टेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी जीआरपी को सौंपी गई है। राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से लगातार संपर्क साधा जा रहा है, ?लेकिन लोगों के मन में सवाल है कि जब तक धमकी देने वाले सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, तब तक यह सुरक्षा के खोखले दावे कितने सुरक्षित हैं? 6 जून की तारीख नजदीक है, ऐसे में पुलिस की टेक्निकल टीम के लिए यह समय के खिलाफ एक बड़ी रेस है।

कोयला घोटाला मामला: कोर्ट ने नवीन जिंदल, पीसी पारेख के खिलाफ किया समन जारी

-अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति नवीन जिंदल, पूर्व कोयला सचिव पी सी पारेख और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया है। कोर्ट ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। स्पेशल जज सुनेना शर्मा ने नवीन जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, पी सी पारेख, राकेश कुमार जिंदल, राम किशोर, एस के अग्रवाल और जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 17 जुलाई को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों से जुड़ी सबसे विस्तृत और भारी-भरकम आरोप-पत्रों में से एक है। मामले की जांच सीबीआई ने की है, जिसने आरोप लगाया है कि कोयला ब्लॉक आवंटन और खनन पट्टे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया गया है। सीबीआई के मुताबिक 1996 में छत्तीसगढ़ के गारे पाल्मा 4/1 कोयला ब्लॉक का आवंटन जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले स्पंज आयरन प्लांट के लिए किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि ब्लॉक में कोयले का भंडार निर्धारित जरुरत से काफी ज्यादा था, जिसके बावजूद आवंटन किया गया।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि खनन पट्टे के लिए केंद्र सरकार की ओर से 705 हेक्टेयर क्षेत्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन पट्टा मंजूरी सीमा से ज्यादा क्षेत्र में निष्पादित किया गया। बाद में 2005 में स्क्रीनिंग समिति ने कथित अनियमितता को नियमित करते हुए स्वीकृत क्षेत्र से अतिरिक्त भूमि शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया। मामले के दस्तावेजों के मुताबिक मार्च 2004 में जेएसपीएल ने कोयला ब्लॉक से उत्पादन क्षमता 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान कोयला मंत्रालय ने पट्टे की सीमाओं और अतिरिक्त उत्पादन से जुड़ी विसंगतियां पाई थीं और कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में आंधी-ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां लगातार अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, इस बीच उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के लिए आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की गंभीर चेतावनी जारी की है। इसके विपरीत, बिहार के लोगों को आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा में मौसम काफी खराब रहने की आशंका है। यहां 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भीषण आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिसकी स्पीड बढ़कर 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही हल्की से मध्यम बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में भी गरज-चमक और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर में मौसम का रौद्र रूप देखने को मिल सकता है। यहां 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है और अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इसके उलट बिहार के विभिन्न इलाकों में लू चलने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ दिनों बाद यहां बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं झारखंड और ओडिशा में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि के साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में भी आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ने की चेतावनी दी गई है। उधर, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, यूपी, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में पहले अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद आंधी और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद पारा एक बार फिर चढ़ने की उम्मीद है।

भारत ने कहा- सीमा विवाद सुलझाने में किसी तीसरे की जरुरत नहीं

-नेपाली पीएम के सीमा विवाद वाले बयान पर भारत का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक विवादास्पद बयान ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को एक बार फिर गरमा दिया है। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने संसद में दावा किया कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारतीय जमीन पर अतिक्रमण किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस ऐतिहासिक विवाद को सुलझाने के लिए भारत और नेपाल के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे तीसरे पक्षों की मध्यस्थता का सुझाव भी दे डाला। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि भारत और नेपाल के बीच की सीमा एक संवेदनशील और पूरी तरह से द्विपक्षीय मुद्दा है। इसमें चीन या ब्रिटेन जैसे किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं हो सकती और सभी अनसुलझे मामलों को केवल आपसी कूटनीतिक बातचीत से ही सुलझाया जाएगा। भारत के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 98 प्रतिशत सीमा का सीमांकन पहले ही सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। शेष बचे हिस्सों और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण की समस्याओं को हल करने के लिए दोनों देशों के पास पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं।

इस पूरे विवाद की असल जड़ कोई राजनीतिक या सैन्य कब्जा नहीं, बल्कि गंडक नदी का भौगोलिक व्यवहार है, जिसे नेपाल में नारायणी नदी कहा जाता है। यह नदी बिहार के पश्चिम चंपारण और नेपाल के सुस्ता क्षेत्र के बीच प्राकृतिक सीमा तय करती है। समय के साथ गंडक नदी अपना बहाव और रास्ता बदलती रहती है, जिससे जमीनी सीमाएं प्रभावित होती हैं। नदी के इस रुख के कारण स्थानीय नागरिकों में जमीन को लेकर भ्रम पैदा होता है और कई बार एक देश के लोग अनजाने में दूसरे देश की सीमा में खेती करने लगते हैं।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस बयान पर खुद नेपाल के भीतर विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने भारी आपत्ति जताई, जिसके बाद नेपाली विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी। नेपाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री का इरादा किसी जानबूझकर किए गए सैन्य कब्जे से नहीं था, बल्कि उनका इशारा नदी के रास्ता बदलने के कारण नो-मैन्स लैंड यानी दशगजा क्षेत्र में उपजी तकनीकी और व्यावहारिक विसंगतियों की तरफ था। वर्तमान में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों की मैपिंग और जांच कर रहा है। भारत ने दृढ़ता से स्पष्ट किया है कि इस तकनीकी समस्या का स्थाई समाधान किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नहीं, बल्कि दोनों देशों के संयुक्त कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

संेसेक्स 303, निफ्टी 77 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट ईरान-अमेरिका तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में विकवाली हावी रहने से आई है।आज दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, टीसीएस के अलावा टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर टूट गये। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई संेसेक्स 303.67 अंक फिसलकर 74,346.17 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 77.95 अंक नीचे आकर 23,405.60 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान संेसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये। वहीं अन्य सभी 19 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी की केवल 19 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 30 शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडिगो के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी उछले जबकि, टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 8.43 फीसदी गिरे। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज आईसीआईसीआई बैंक , ट्रेंट , पावर ग्रिड 1.01 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक , एचडीएफसी बैंक , एक्सिस बैंक , भारती एयरटेल , टाटा स्टील के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक समेत ये नीचे आये। इसके अलावा इन्फोसिस, आईटीसी, एलएंडटी , बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स , एशियन पेंट्स , बजाज फिनसर्व , टाइटन , बीईएल 0.31, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट , एनटीपीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला।

आज सुबह सेंसेक्स 800 अंक गिरा, वहीं निफ्टी 23,300 के नीचे खुला।

बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार से मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा

एक्सिस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई

नई दिल्ली।

बैंकों के लिए मार्च तिमाही अच्छी रही है। पिछले कुछ समय से माइक्रोफाइनेंस और बिना गारंटी वाले कर्ज को लेकर जो चिंता बनी हुई थी, वह अब कम होती दिख रही है। बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार भी अच्छी रही, मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा है। कुल मिलाकर बैंकिंग सेक्टर की तस्वीर पहले से काफी बेहतर नजर आ रही है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर बैंकों ने उम्मीद से अच्छे नतीजे दिए हैं। एक्सिस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई। वहीं उज्जीवन और सूर्योदय जैसे स्मॉल फाइनेंस बैंकों को माइक्रोफाइनेंस कारोबार में सुधार का फायदा मिला है।

मार्च तिमाही में कर्ज की मांग मजबूत रही। छोटे कारोबार, सर्विस सेक्टर, गोल्ड लोन, वाहन लोन और होम लोन में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। यही वजह रही कि बैंकों की लोन बुक तेजी से बढ़ी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की लोन बुक 21 फीसदी बढ़ी, उज्जीवन एसएफबी की 22 फीसदी और एयू एसएफबी की 19 फीसदी बढ़ी। बैंकों में जमा राशि यानी डिपॉजिट भी अच्छी रफ्तार से बढ़े, जिससे उनकी फंडिंग की स्थिति मजबूत हुई। आमतौर पर ब्याज दरें घटने पर बैंकों की कमाई पर दबाव आता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। बैंकों को जमा पर कम ब्याज देना पड़ा, जिससे उनकी कमाई बेहतर रही। फेडरल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू बैंक के मार्जिन में सुधार देखने को मिला। स्मॉल फाइनेंस बैंकों में इक्विटास, उज्जीवन और सूर्योदय ने सबसे ज्यादा सुधार दिखाया। रिपोर्ट का मानना है कि अगर ब्याज दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले समय में भी बैंकों की कमाई अच्छी रह सकती है। सबसे राहत वाली बात यह है कि बैड लोन बढ़ने की रफ्तार थम गई है। नए फंसे कर्ज कम हुए हैं और बैंकों को बैड लोन के लिए कम पैसा अलग रखना पड़ा है। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक की एसेट क्वालिटी मजबूत बनी हुई है। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आरबीएल बैंक, इक्विटास और उज्जीवन में भी हालात सुधरे हैं। रिपोर्ट का कहना है कि माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में जो संकट पिछले कुछ समय से बना हुआ था, उसका सबसे मुश्किल दौर अब पीछे छूटता दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में बैंकों की कमाई और बेहतर हो सकती है।

डॉलर मजबूत, रुपया कमजोर

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी। आज सुबह दुनिया की 6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर इंडेक्स बढ़कर 99.24 के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर की इस मजबूती का प्रभाव भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा, वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले रुपया 95.27 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार सुबह जहां सोने की वायदा कीमतों में तेजी आई। वहीं चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। घरेलू बाजार में आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,59,350 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 101 रुपये बढ़कर 1,59,447 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,346 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 39 रुपये टूटकर 2,66,668 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,66,707 रुपये था। ये 2,66,672 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,66,066 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमी रही। कॉमेक्स पर पर सोना आज 4,520 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 4,519.90 डॉलर प्रति औंस था। एक समय पर ये 12.80 डॉलर की गिरावट के साथ 4,507.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 75.49 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 75.55 डॉलर था।

कपास आयात शुल्क हटने से भारतीय बाजार में गिरावट, कपड़ा उद्योग को राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने हाल ही में विदेशी कपास पर लगने वाले आयात शुल्क को हटाया है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग पर बढ़ते दबाव को कम करना था। एक ओर जहां फैसले से कपड़ा उद्योग को राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर घरेलू बाजार में भारतीय कपास की मांग और कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। आयात शुल्क हटने के बाद भारतीय कपास की कीमतें तेजी से गिरी हैं। मिल मालिक अब विदेश से सस्ता कपास मंगाना पसंद कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने अपनी नई फसल के कपास की कीमत में प्रति गांठ 700 रुपये की कटौती की है। इसके बावजूद, केवल 700 गांठ खरीदने की मांग आई, जो मुख्य रूप से मिल मालिकों की ओर से थी, जो दिखाता है कि घरेलू कपास की खरीदारी काफी धीमी हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कपास के वायदा भाव में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया है। आईसीई पर कपास के वायदा भाव में 1.68 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो लगभग 77.44 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। फरवरी की शुरुआत से इसमें 47 फीसदी की तेजी देखी गई थी, हालांकि हाल के दिनों में इसमें थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी भारतीय मिलों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने 11 प्रतिशत के आयात शुल्क को 1 जून से 31 अक्टूबर तक के लिए अस्थायी रूप से हटाया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से भारतीय किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है, क्योंकि यह नई खरीफ फसल आने तक ही प्रभावी रहेगा। हालांकि, इस फैसले से घरेलू कीमतों में आई कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, जो अपनी उपज के उचित दाम को लेकर आशंकित हैं। इस कदम से टेक्सटाइल और गारमेंट इंडस्ट्री को सीधा फायदा मिल रहा है। उद्योग से जुड़े संगठनों ने लगातार मांग की थी कि आयात शुल्क के कारण कच्चा माल महंगा हो रहा है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं। भारत में कपड़ा उद्योग 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है, और सरकार का यह अस्थाई फैसला उन्हें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकता है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल करेंगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। अपकमिंग मॉडलों में इलेक्ट्रिक और पेट्रोल दोनों तरह के विकल्प शामिल होंगे। इनमें लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक कारों के साथ एक नई माइक्रो एसयूवी भी पेश की जाएगी। मारुति सुजुकी अपनी पहली सात-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी पर काम कर रही है, जिसे फिलहाल वाईएमसी कोडनेम दिया गया है। इस मॉडल को वर्ष 2026 के अंत तक लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसमें वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 एडास जैसी आधुनिक सुविधाएं मिल सकती हैं। वाहन में 49 किलोवाट-घंटा और 61 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक के विकल्प मिलने की उम्मीद है, जो क्रमशः लगभग 440 और 543 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। मारुति के इस मॉडल के बाद टोयोटा भी इसी प्लेटफॉर्म पर आधारित अपना संस्करण बाजार में उतारेगी। हालांकि तकनीकी रूप से दोनों वाहन काफी हद तक समान होंगे, लेकिन डिजाइन और बाहरी स्टाइलिंग में अंतर देखने को मिलेगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी ने हाल ही में इग्निस को बंद किया है और उसकी जगह एक नई माइक्रो एसयूवी विकसित की जा रही है। वाई43 कोडनेम वाली यह गाड़ी टाटा पंच और हुंडई एक्सटर जैसी कारों को चुनौती देगी। इसमें नई स्विफ्ट वाला 1.2 लीटर तीन सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है।

भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाएगा अमेरिका!

-अमेरिका के प्रस्ताव से भारत की चिंता बढ़ी, व्यापार समझौते पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत में अमेरिका ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा है जिससे भारत की चिंता बढ़ सकती है। अमेरिका ने भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने ऐसे सामान के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं, जो जबरन मजदूरी से बनाए गए हो। इसी वजह से इन देशों से आने वाले उत्पादों पर अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कहा है कि भारत उन 54 देशों में शामिल है जिन्होंने ऐसे उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक नहीं लगाई है। इस सूची में चीन, बांग्लादेश, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई बड़े देश शामिल हैं।यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है। अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच इन दिनों नई दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत मुश्किल में पड़ सकती है। अब सिर्फ आयात शुल्क और बाजार पहुंच ही नहीं, बल्कि श्रम कानूनों और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं।अमेरिका ने कहा है कि जिन देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान पर कोई प्रभावी रोक नहीं है, वहां से आने वाले उत्पादों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। अमेरिका का कहना है कि अगर कुछ देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान आसानी से बाजार में पहुंच जाते हैं, तो वहां की कंपनियों की लागत कम हो जाती है।

इससे उन कंपनियों को नुकसान होता है जो श्रम नियमों का पालन करती हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीयर ने कहा कि दुनिया के बड़े व्यापारिक साझेदारों का इस मुद्दे पर कार्रवाई नहीं करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे अमेरिकी कंपनियों और कामगारों को नुकसान होता है।

टाटा की किफायती कारें है 360 डिग्री कैमरा से लैस

नई दिल्ली ।

ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां अब बजट कारों में भी 360 डिग्री कैमरा की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। कारों में यह फीचर ड्राइविंग को सुरक्षित और आसान बनाता है, खासकर पार्किंग, रिवर्सिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय। हाल ही में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक टियागो में 360 डिग्री कैमरा शामिल कर इसे इस सुविधा वाली देश की सबसे सस्ती कारों में शामिल कर दिया है। टाटा टियागो की कीमत 6.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके क्रिएटिव वेरिएंट से 360 डिग्री कैमरा मिलता है। इसके बाद टाटा पंच का नाम आता है, जिसकी शुरुआती कीमत 7.65 लाख रुपये है। इसमें एडवेंचर वेरिएंट से यह सुविधा उपलब्ध है। पंच का कैमरा सिस्टम शहरों में आसान ड्राइविंग और पार्किंग के लिए उपयोगी माना जाता है। टाटा टिगोर भी इस सूची में शामिल है। इसकी कीमत 7.83 लाख रुपये से शुरू होती है और टॉप वेरिएंट एक्सजेड प्लस लक्स में 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। वहीं टाटा अल्ट्रोज के क्रिएटिव वेरिएंट में एचडी 360 डिग्री कैमरा उपलब्ध कराया गया है। इसकी कीमत 8.02 लाख रुपये से शुरू होती है और बेहतर कैमरा क्वालिटी इसकी खासियत मानी जा रही है।

ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत, कार-ट्रैक्टर सेगमेंट मजबूत नहीं

नई दिल्ली।

दुनिया भर के ऑटो बाजार में 2026 की शुरुआत मिली-जुली रही है। ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन कार और ट्रैक्टर सेगमेंट में तस्वीर उतनी मजबूत नहीं है। ऐसे में जिन भारतीय कंपनियों का कारोबार विदेशों में भी फैला हुआ है, उन्हें इसका फायदा मिल सकता है। नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक समवर्धना मदरसन, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज और कुछ अन्य ऑटो कंपोनेंट कंपनियां आने वाले समय में उद्योग की औसत वृद्धि से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। इसकी वजह इनकी मजबूत ऑर्डर बुक और अलग-अलग बाजारों में मौजूदगी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और यूरोप में भारी ट्रकों की मांग 2026 में बढ़ सकती है। अमेरिका में पुराने ट्रकों को बदलने की जरूरत, माल ढुलाई कारोबार में सुधार और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स इस मांग को बढ़ावा दे सकते हैं। वहीं यूरोप में भी मजबूत ऑर्डर बुक से बिक्री को सहारा मिलने की उम्मीद है। भारत में हालांकि मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन बाजार बहुत तेज रफ्तार से बढ़ता नहीं दिख रहा। यहां मांग लगभग स्थिर रह सकती है। अमेरिका में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च, डेटा सेंटर निर्माण और किराए पर मशीनों की मजबूत मांग निर्माण उपकरण उद्योग के लिए अच्छी खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे ट्रैक्टरों की मांग में कुछ सुधार आ सकता है, लेकिन बड़े ट्रैक्टरों की बिक्री दबाव में रह सकती है। भारत में ट्रैक्टर उद्योग के सामने ऊंचे आधार, कमजोर मानसून की आशंका और सरकारी सब्सिडी की कमी जैसी चुनौतियां बनी हैं। इसलिए यहां बहुत तेज ग्रोथ की उम्मीद नहीं है। कार कंपनियों के लिए 2026 आसान नहीं दिख रहा। यूरोप में बिक्री बढ़ी है, लेकिन अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कमजोरी देखने को मिली है। बीएमडब्ल्यू, फॉक्सवैगन, ऑडी, जेएलआर और मर्सिडीज जैसी कई बड़ी कंपनियों की बिक्री पर दबाव रहा। हालांकि भारत में तस्वीर थोड़ी बेहतर है। टाटा मोटर्स का अनुमान है कि घरेलू यात्री वाहन उद्योग इस साल करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है।

पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात से महंगे हुए ड्राई फ्रूट्स, 25फीसदी तक बढ़ीं कीमतें

ईरान-अफगानिस्तान से होने वाली ड्राई फ्रूट्स सप्लाई पर पड़ा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण भारत के ड्राई फ्रूट बाजार पर गहरा असर पड़ा है। ईरान और अफगानिस्तान से होने वाली पिस्ता, अंजीर, खजूर और दूसरे ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई पर असर हुआ है। इसके चलते कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि यदि यही हालात रहे तो त्योहारों के सीजन में ग्राहकों को ड्राई फ्रूट काफी महंगे दाम पर खरीदने पड़ सकते हैं। पिस्ता की कीमतों में 20 से 25 फीसदी और अंजीर में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कई प्रमुख ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 10 से 25 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण शिपिंग, बीमा और फ्रेट चार्ज बढ़ गए हैं, जो माल पहले कुछ ही दिनों में पहुंच जाता था, अब उसे आने में बहुत ज्यादा समय लग रहा है क्योंकि कई समुद्री रास्ते और बंदरगाह प्रभावित हैं। माल के लंबे समय तक रास्तों में फंसे रहने के कारण ड्राई फ्रूट्स की गुणवत्ता खराब होने का भी डर बना है, क्योंकि इन्हें विशेष स्टोरेज और तापमान की जरुरत होती है।

राहत की बात यह है कि काजू और किशमिश की कीमतों में फिलहाल बड़ी तेजी की संभावना नहीं है, क्योंकि भारत में इनका उत्पादन होता है और इनकी स्थिति फिलहाल संतुलित है। विशेषज्ञों का मानना है कि असली चुनौती अगस्त-सितंबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में आएगी।

यदि तब तक सप्लाई सामान्य नहीं हुई, तो बढ़ती मांग के कारण कीमतें और भी बढ़ सकती हैं, जिससे मांग में 10 से 15 फीसदी की गिरावट आ सकती है। कारोबारियों के मुताबिक यदि तनाव आज समाप्त भी हो जाए, तो सप्लाई चेन को पूरी तरह सामान्य होने में 3 से 6 महीने का समय लग सकता है।

लॉन्च से पहले जांचे जाएंगे एआई मॉडल, टेक कंपनियों में मची हलचल

ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने जारी किया आदेश

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने के लिए एक नया एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। इस आदेश के तहत संघीय सरकार को सबसे उन्नत एआई सिस्टम के सार्वजनिक लॉन्च से पहले उनकी समीक्षा करने का ढांचा मिलेगा। इस प्रक्रिया में भाग लेना एआई कंपनियों के लिए स्वैच्छिक रहेगा। नए आदेश में कहा गया है कि एआई की उन्नत क्षमताएं अमेरिका को और मजबूत बना सकती हैं, लेकिन इसके साथ कुछ नए राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जोखिम भी हैं। ऐसे जोखिमों से निपटने के लिए कई सरकारी विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरुरत है।

मीडिया रिपोर्ट में आदेश के मुताबिक सरकार किसी भी उन्नत एआई मॉडल या सिस्टम की सार्वजनिक रिलीज से पहले अधिकतम 30 दिनों तक समीक्षा कर सकेगी। यह समयसीमा तकनीकी क्षेत्र की अपेक्षाओं से कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी समीक्षा प्रक्रिया तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी एआई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती थी। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब ट्रंप ने 21 मई को एक समान प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उस समय उनकी चिंता थी कि अत्यधिक नियमन से अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नवाचार की गति पर असर पड़ा सकता है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नया आदेश पहले प्रस्तावित नीति से कितना अलग है। ट्रंप ने एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अत्याधुनिक एआई सिस्टम विकसित करने वाली कंपनियों को स्वेच्छा से अपने उन्नत साइबर मॉडल सरकार के साथ साझा करने का अवसर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के अहम बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत करना और सरकारी साइबर रक्षा क्षमताओं को बेहतर बनाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप ने पिछले महीने टेक उद्योग के शीर्ष अधिकारियों के साथ होने वाला एक ओवल ऑफिस कार्यक्रम रद्द कर दिया था क्योंकि उन्हें आदेश के शुरुआती मसौदे पर आपत्ति थी। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख एआई कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होने वाले थे, लेकिन अंततः ट्रंप ने बिना किसी औपचारिक समारोह के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए।

एमपीसी बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम, रेपो रेट 5.25 फीसदी ही रहेगी?

रुपए के कमजोर होने से आयात महंगा हुआ, घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम है। बढ़ती महंगाई और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आरबीआई रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रख सकता है। हालांकि बाजार की नजर इस बात पर रहेगी कि आरबीआई आगे ब्याज दरों को लेकर क्या संकेत देता है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा का कहना है कि हाल के दिनों में महंगाई का दबाव बढ़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें चढ़ी हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। वहीं रुपए में कमजोरी आने से आयात महंगा हुआ है, जिसका असर घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक कई कंपनियों ने कीमतें बढ़ा दी हैं। इसके अलावा इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है। अनुमान है कि बारिश दीर्घकालिक औसत का करीब 90 फीसदी रह सकती है, जो 2015 के बाद सबसे कम स्तर होगा। अगर ऐसा होता है तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। देश के बाहरी क्षेत्र की स्थिति भी सहज नहीं है। निर्यात में खास तेजी नहीं दिख रही, जबकि तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात लगातार बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कमजोर है। इससे भुगतान संतुलन (बीओपी) पर दबाव बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई बढ़ने के बावजूद अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर चिंता बनी हुई है। आर्थिक सुधार अभी सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं दिख रहा है। निजी निवेश में तेजी नहीं आई है और पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव कंपनियों की लागत बढ़ा सकता है।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ्पंजाबी वर्सायिफ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

–सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

–तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

–स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

टांटन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

फ्रैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए ऋषभ, हर रन लाखों रुपये का पड़ा

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के 19 वें सत्र में असफल रहे। वह फ्रैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए। उनके एक-एक रन के लिए उसे लाखों रुपये चुकाने पड़े। ऋषभ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इससे उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और टीम अंकतालिका में अंतिम स्थान पर रही। एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर ऋषभ अपनी टीम को कोई लाभ नहीं पहुंचा सके। यहां तक कि उगर उनको मिलने वाली रकम का आंकलन करें तो फ्रैंचाइजी के लिए उनका हर एक रन लाखों रुपये का पड़ा है। ये सामने आया है कि ऋषभ के एक-एक रन की कीमत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए करीब 8.65 लाख रुपये रही। उन्हें 27 करोड़ रुपये पर रखा गया था। कप्ताने ने 14 मैचों में कुल 312 रन बनाए। इस प्रकार देखा जाये तो उनका प्रति रन 8,65,384 रुपये का रहा है।

पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फ्रैंचाइजी ने ऋषभ को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस सत्र में, उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए थे। इन आंकड़ों के आधार पर, 2025 में उनके प्रत्येक रन की कीमत 10 लाख 3 हजार 717 रुपये से भी अधिक रही थी, जिसने फ्रैंचाइजी के लिए वह काफी महंगे साबित हुए थे।

अगर हम पिछले दो सत्र के प्रदर्शन को एक साथ देखें, तो ऋषभ ने कुल 54 करोड़ रुपये की सैलरी पर 581 रन बनाए हैं। इस प्रकार, उनके हर एक रन की औसत कीमत 9 लाख 29 हजार 432 रुपये प्रति रन बैठती है। यह आंकड़ा लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने के बाद भी उनके बेहद खराब प्रदर्शन को दिखाता है।

उनकी कप्तानी में, टीम 2025 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई, और 2026 में भी यही हुआ। वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही। 2026 में सुपर जायंट्स ने 14 में से सिर्फ 4 मैच जीते, जबकि 2025 में 6 मुकाबले। कुल 28 मैचों में से केवल 10 जीत का खराब रिकॉर्ड उनके कप्तानी छोड़ने का मुख्य कारण बताया है।

मुंबई टी20 लीग: अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

मुम्बई (एजेंसी)। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की

शुरुआत अच्छी नहीं रही।

सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी।

जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं प्रगनेश ने 26 रन जबकि प्रसाद पवार ने 21 रन बनाये। कप्तान शिवम दुबे 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर ने तेजी से बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दो गेंदों में एक छक्के के साथ नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 14 ओवर में ही 5 विकेट पर 127 रनों तक पहुंचा दिया।

पांड्या सीओई पहुंचे, रोहित का हो रहा इंतजार

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचने को कहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांड्या तो यहां पहुंच गये हैं पर रोहित अब तक नहीं पहुंचे हैं।एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनों खिलाड़ी भारतीय दल में शामिली हैं हालांकि इनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस पर निर्भर करेगा। एक रिपोर्ट के पांड्या एक हफ्ते से अधिक समय तक अपनी रिकवरी प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिसके बाद वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए थे जबकि पांड्या भी चोट के चलते मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैचों में अनुपस्थित रहे थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस का आंकलन करने और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के लिए सीओई में बुलाया था। वहां उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। इसमें रिहैब के बाद अगर ये पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तो ही आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे ।रोहित का पूरा ध्यान अगले साल होने वाले एकदिवीसय विश्व कप पर केंद्रित है। वहीं, हार्दिक भी एकदिवसीय और टी20 पर ही ध्यान दे रहे हैं। पांड्या ने पिछले साल मार्च में भारत के लिए आखिरी बार एकदिवसीय मैच खेला था, और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 13 जून से शुरू होगी। पहला वनडे धर्मशाला में 13 जून को खेला जाएगा। दूसरा मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञाननंदा जीते, गुकेश हारे

ओस्लो । यहां आयोजित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत को मिली जुली सफलता मिली है। जहां भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मेजबान देश नार्वे के मैग्नस कार्लसन को शिकस्त दी। वहीं भारत के ही डी गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है। प्रज्ञाननंदा की खिताबी उम्मीदें बनी हुई हैं पर गुकेश की समाप्त हो गयी हैं। प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार मात दी अब उनके इस टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की उम्मीदें बढ़ी हैं। एलीट डबल राउंड–रॉबिन प्रतियोगिता में इसभारतीय खिलाड़ी ने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में शिकस्त दी थी। इस जीत से प्रज्ञाननंदा अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदें टूटी हैं। अब केवल दो दौर का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन का जीतना संभव नहीं है। वहीं दूसरी ओर गुकेश की तीसरी हार के साथ ही उनके खिताब जीतने की उम्मीदें तकरीबन खत्म हैं। गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा ने क्लासिकल मुकाबले में हराया। इससे अलीरेज़ा 13 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। .गुकेश के अभी केवल आठ अंक हैं और वह अपने अगले दो मैचों में क्लासिकल में जीतने पर भी अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकते हैं।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की पेरी तीन मैच खेलते ही बनाएंगी विश्व रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिस पेरी के पास इसी माह 13 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। ऑलराउंडर पेरी इस टूर्नामेंट में पहले तीन मैच खेलते ही विश्वकप में 50 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम 13 जून को मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। पेरी साल 2009 से ही ऑस्ट्रेलिया की हर टीम में शामिल रही हैं। पेरी ने अब तक 47 विश्व कप मैच खेले हैं। उन्हें अपने 50 मैच पूरे करने के लिए केवल तीन और मैचों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी। टीम में तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन की जगह बाएं हाथ की नयी गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को शामिल किया गया है। जो एक हैरानी भरा कदम है क्योंकि ब्राउन को दो विश्वकप का अनुभव है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बेथ मूनी, एश गार्डनर, ताहलिया मैकग्रा और मेगन शट जैसी अनुभवी और मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही फोबे लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल जैसी युपा खिलाड़ियों को भी पहली बार टीम में जगह मिली है। ये युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और उत्साह लाएंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें उसे दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड से मुकाबला करना है। टीम इस प्रकार है- सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। ट्रैवलिंग रिज़र्व- ताहलिया विल्सन।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

–सबसे अधिक गोल का मिरोस्लाव का रिकार्ड टूटेगा या नहीं देखना होगा

सेन डियागो (एजेंसी)। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर

के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है।

आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

फ्रांस के युवा सनसनी किलियन एमबाप्पे ने वह अब तक विश्व कप के 14 मुकाबलों में 12 गोल कर चुके हैं, जिसमें पिछले विश्व कप में उनके आठ गोल शामिल हैं, जिसके लिए उन्हें गोल्डन बूट से नवाजा गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को 41 रन से हराकर सीरीज में 1–1 से वापसी की

लाहौर ।जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी कर ली है। वहीं पहले एकदिवसीय में पाक टीम जीती थी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाये। इंगलिस ने 51 जबकि ग्रीन ने 53 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान पाक टीम 44 ओवर में केवल 190 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां पहली ही गेंद पर ओपनर एलेक्स कैरी शाहीन अफरीदी का शिकार बने और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट 15 और मार्नस लाबुशेन 5 रन बनाकर आउट हो गए। इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10.4 ओवर में 3 विकेट पर 51 रन हो गया। इसके बाद कप्तान जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला। इंगलिस ने 74 गेंदों में 51 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों में 53 रन बनाए। मैट रेनशॉ ने तेजी से 43 गेंदों में 43 रन और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट जबकि स्पिनर अराफात मिन्हास ने 10 ओवर में 27 रन देकर 2 अहम विकेट लिए। अबरार अहमद और हारिस रऊफ को भी 2–2 विकेट मिले। जीत के लिए 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज साहबजादा फरहान 3 और माज सदाकत 0 पर आउट हो गए। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी केवल 16 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। विकेटकीपर गाजी गोरी ने 37 रन बनाय पर दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। सलमान आगा 7 और अब्दुल समद 2 रन बनाकर आउट हुए। अनुभवी शादाब खान और युवा अराफात मिन्हास ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया। कप्तान शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 1 चौका शामिल था। अराफात मिन्हास ने भी 33 रन बनाये। पाकिस्तान की पूरी टीम 44 ओवर में महज 190 रनों पर आउट हो गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने 9 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने 3 विकेट लिए।

अंडर–18 पुरुष एशिया कप : भारत ने चीनी ताइपे को दी करारी हार, सेमीफाइनल में पहुंचा

काकामिगाहारा (जापान) । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13–1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर–18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में नौ अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रूख अपनाया जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक (27वें, 35वें, 42वें मिनट) करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान (40वें, 44वें), सिद्धार्थ बेन (30वें, 52वें) और राहुल यादव (20वें, 54वें) ने दो–दो गोल किए। करण गौतम (सातवें), प्रेमचंद सोय (11वें), कप्तान केतन कुशवाहा (13वें) और वरिंदर सिंह (50वें) ने भी गोल किए। भारत शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल खेलेगा लेकिन टीम के प्रतिद्वंद्वी का फैसला बुधवार को जापान और कजाखस्तान के बीच पूल ए के आखिरी मैच के बाद होगा।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

लंदन (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह–छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा ।चार्ली का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में, जहां अक्सर नियम बल्लेबाजों के पक्ष में होते हैं और बड़े स्कोर आम बात हो गए हैं, वहां एक नए गेंदबाज द्वारा 7 विकेट लेना किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्कॉटलैंड जैसे एसोसिएट देश के लिए यह लम्हा बेहद गर्व का था और इस रिकॉर्ड ने यह साबित कर दिया कि क्रिकेट की दुनिया में ऐसी अप्रत्याशित प्रतिभाएं भी मौजूद हैं जो बड़े मंच पर आकर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।

देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्कपकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

गौरतलब है कि विश्वकप में अंतिम बार विकास धोरासू ने फ्रांस के लिए खेलकर भारत का नाम रोशन किया था। इन चारों खिलाड़ियों का विश्व कप में शामिल होना भारतीय फुटबॉल के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और दुनिया भर के भारतीय फैंस को अपनी जड़ों से जुड़े इन सितारों को समर्थन देने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार)
04 जून 2026

सोहम शाह ने शेयर की तुम्बाड 2 की डिटेल्स

सोहम शाह फिल्म 'तुम्बाड 2' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं और बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सोहम शाह ने सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर करके दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। मगर, उनके इस पोस्ट पर नेटिजंस को आलिया भट्ट याद आ गई हैं। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें सोहम शाह ने बीटीएस पल साझा किया है। उनके हाथ में सफेद रंग की एक चीज नजर आ रही है। इसके साथ सोहम शाह ने कैप्शन लिखा है, 'आज 'तुम्बाड 2' के सेट पर ये मिला। क्या मुझे चिंता करनी चाहिए' उन्होंने आगे लिखा है, 'प्रलय आएगी'।

सोहम शाह के इस पोस्ट पर नेटिजंस आलिया भट्ट को याद करते हुए कमेंट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे शुभ हस्ताक्षर और आशीर्वाद बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि ये आटे की गुड़िया लग रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपको चिंता करनी चाहिए, लेकिन सिर्फ अच्छे के लिए'। आलिया को याद करते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'आलिया को देखने के लिए बेसब्र हूं'। एक ने लिखा है, 'तुम्बाड-2 में आलिया हैं। अब ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरा सिनेमा है'।

फिल्म 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का कैमियो रोल होगा। वहीं, तीसरे पार्ट में उनका यह किरदार विस्तृत रूप में देखने को मिलेगा। साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया था। हालांकि, 'तुम्बाड 2' का निर्देशन वो नहीं कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। आदेश प्रसाद फिल्म के पहले पार्ट के को-राइटर और को-डायरेक्टर भी थे। फिल्म का निर्माण सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत और पेन स्टूडियोज के सहयोग से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को स्क्ष्ष्ट59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

दमदार एक्शन करेंगी नयनतारा

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपर्ट्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म

आने वाले महीनों में इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अनाउंसमेंट्स होने की उम्मीद है। मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 के मौके पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान की फिल्में अक्सर त्योहारों के सीजन में ही रिलीज होती हैं। खासतौर से ईद के मौके पर वे दर्शकों को अपनी फिल्मों की रिलीज के रूप में तोहफा देते रहे हैं। इस फिल्म के अलावा सलमान वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' में भी नजर आएंगे।

म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'सतरंगा' लाएंगे भूषण

टी-सीरीज एक बार फिर बड़े स्तर की म्यूजिकल फिल्म लेकर आने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूषण कुमार के नेतृत्व वाली कंपनी जल्द ही अपनी नई फिल्म 'सतरंगा' का आधिकारिक ऐलान कर सकती है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म एक भव्य म्यूजिकल ड्रामा होगी, जिसे बड़े सिनेमाई कैनवास पर तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'सतरंगा' सिर्फ एक पारंपरिक रोमांटिक फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें संगीत कहानी की सबसे अहम कड़ी बनेगा। फिल्म को एक इमोशनल और विजुअली शानदार अनुभव के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है, जहां गाने केवल कहानी का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि पूरी कहानी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और अब मेकर्स स्टारकास्ट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी कलाकार के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।''

तुषार कपूर ने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति पर बात की

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है।

तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है।तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है।

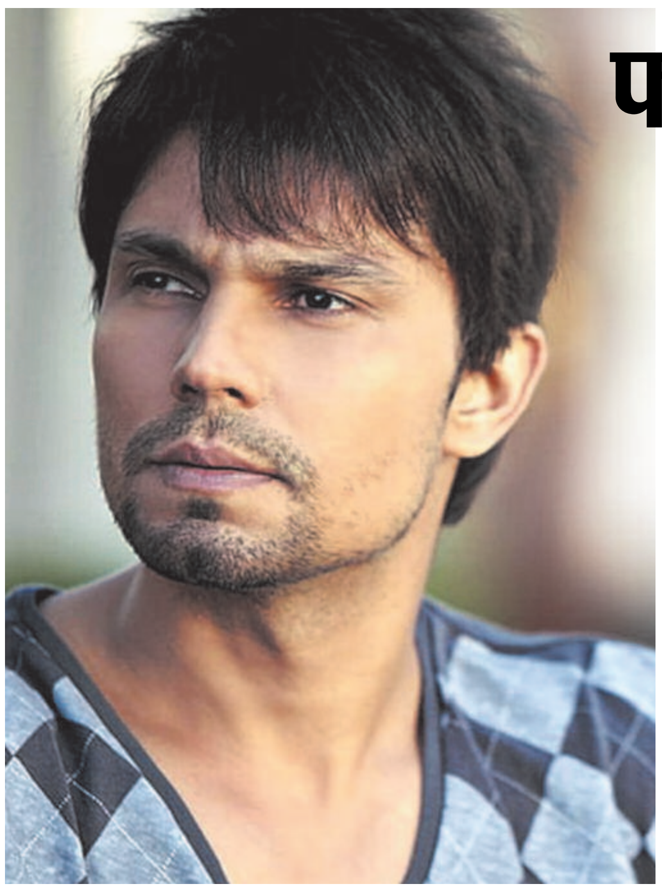

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंर्त्य वीर सावरकर में निर्माता-निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को-राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

कलोल पुलिस ने डेढ़ साल से फरार मवेशी चोर के आरोपी को अलिन्द्रा चौकड़ी से गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कलोल। फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जिले के बड़े पुलिस अधिकारियों ने खास निर्देश दिए थे। इसी के तहत कलोल पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर आर. डी. भरवाड़ ने एक असरदार स्ट्रेटेजिक प्लान तैयार किया और स्टाफ को जरूरी आदेश दिए। इस प्लान और पुलिस इंस्पेक्टर आर. डी. भरवाड़ को मिली खास जानकारी के आधार पर कलोल पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। कलोल पुलिस स्टेशन में साल 2024 में दर्ज क्राइम, जिसमें गुजरात एनिमल प्रोटेक्शन एक्ट-2011 (अमेंडमेंट 2017) के सेक्शन 8(2), 8(4) वगैरह के तहत क्राइम दर्ज किया गया था, में आरोपी फिरदौस अंसारखा बेलीम (निवासी कस्बा बोरू गांव, ताल. कलोल, जी. पंचमहल), जो पिछले डेढ़ साल से पुलिस से फरार था, उसे अलिन्द्रा चौकड़ी (कलोल) से पकड़ा गया है। कलोल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की है।

बोडेली, में डिजिटल क्रांतिः कलेक्टर ने मॉडर्न सुविधाओं से लैस 'अपग्रेडेड जन सेवा केंद्र' का उद्घाटन किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। छोटाउदेपुर जिले के बोडेली सेवा सदन में स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए एक अहम एडमिनिस्ट्रेटिव कदम उठाया गया है। बोडेली सेवा सदन में मॉडर्न सुविधाओं से लैस और नए लुक में डिजाइन किए गए 'अपग्रेडेड जन सेवा केंद्र' का डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस शानदार सेंटर के शुरू होने से, अब बोडेली और आसपास के इलाकों के हजारों नागरिकों को अलग-अलग सरकारी सेवाएं ज्यादा आसानी, तेजी और पूरी पारदर्शिता के साथ उनके दरवाजे पर मिलेंगी। उद्घाटन के इस खास मौके पर, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने नए बने जन सेवा केंद्र में दी गई अलग-अलग सुविधाओं और टेक्नोलॉजी का डिटेल में रिव्यू किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार के लोगों को ध्यान में रखकर और आगे बढ़ाने वाले कामों के तहत, पूरा एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम यह पक्का करने के लिए कमिटेड है कि दूर-दराज के नागरिकों को भी बिना किसी परेशानी के समय पर और अच्छी सर्विस मिलें। इस अपग्रेडेड जन सेवा केंद्र के खुलने से, लोकल आदिवासी और ग्रामीण नागरिकों को अब इनकम सर्टिफिकेट, जाति सर्टिफिकेट और दूसरे ज़रूरी सरकारी डॉक्यूमेंट बनवाने के लिए अलग-अलग ऑफिस नहीं जाने पड़ेंगे। सभी सर्विस अब 'सिंगल विंडो' यानी एक ही जगह पर मिलेंगी, जिससे एप्लीकेंट का समय और पैसा दोनों बचेगा।
सिस्टम के इस शानदार काम का बोडेली और आस-पास के इलाकों के लोगों ने स्वागत किया है। लोकल लोगों के मुताबिक, यह मॉडर्न सेंटर सरकारी सर्विस को और आसान बनाने और बिचौलियों से फ्री करने में मील का पत्थर साबित होगा। - रिपोर्टः इमरान मिर्ज़ा, छोटा उदयपुर

तेजगढ़-जोज रोड पर रेलवे पुलिया के साइड का एंगल टूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। तेजगढ़-जोज रोड पर रेलवे पुलिया के साइड में लगा लोहे का एंगल टूटने से पुल का एक हिस्सा डैमेज होने की बात सामने आई है। इस घटना की वजह से सड़क से गुजरने वाले ड्राइवरों और डेली कम्यूटर्स को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ सालों से इस सड़क पर भारी वाहनों का ट्रैफिक लगातार बढ़ रहा है। चर्चा है कि खासकर रेत से लदे वाहनों के ज्यादा प्रेशर की वजह से पुल की हालत कमजोर हो गई है। पुल का साइड टूटने से एक्सीडेंट का डर भी पैदा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माइनिंग और इलाके में रेत से लदे भारी वाहनों की आवाजाही की वजह से पब्लिक रोड और पुल डैमेज हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।
स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि टूटे हुए एंगल और खराब हिस्सों को तुरंत ठीक किया जाए और सड़क की सुरक्षा के लिए ज़रूरी कदम उठाए जाएं ताकि कोई अनचाहा हादसा न हो।

नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव . नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 अंतर्गत नगर पंचायत घुमका के अध्यक्ष पद एवं 15 पार्षद पद के लिए मतदान पश्चात मतगणना 4 जून 2026 को सुबह 9 बजे से स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी व हिन्दी उत्कृष्ट विद्यालय में किया जाएगा। 15 ईव्हीएम मशीनों की मतगणना 15 टेबल में एक राऊण्ड में की जाएगी। वहीं त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 1 पद, सरपंच के 1 पद, पंच के 25 पद मतदान पश्चात मतगणना परिणामों की घोषणा की जाएगी।

नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। एक तरफ स्मार्ट सिटी का ढिंढोरा पीटा जा रहा है और दूसरी तरफ सभ्य शहर वडोदरा के लोगों को पीने के लिए साफ पानी भी नसीब नहीं हो रहा है! वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बड़ी लापरवाही की वजह से वडोदरा के ऐतिहासिक मांडवी इलाके में एक गंभीर और इंसानों की बनाई हुई मुसीबत खड़ी हो गई है। यहां जमनाभाई हॉस्पिटल के पीछे के रिहायशी इलाके के सैकड़ों लोग पिछले 10 दिनों से नल से आ रहे पीले और बदबूदार 'ज़हरीले' पानी से परेशान हैं। प्रशासन की आंखें मूंद लेने की पॉलिसी के खिलाफ अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। प्रशासन गायकवाड़ी राज की लाइनों पर भरोसा करता हैः लोगों की सेहत से खुलेआम छेड़छाड़।

रुबियो के नए दावे से पलटी थ्योरी, जीवित हैं मोजतबा खामेनेई!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन(ईएमएस)। भीषण संघर्षविराम की कोशिशों के बीच अमेरिका ने ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला दावा किया है, जो उसके अब तक के बयानों से बिल्कुल उलट है। अमेरिका अब तक लगातार यह कहता आया था कि मोजतबा खामेनेई अमेरिकी सैन्य हमले में मारे गए हैं या फिर वे इतने गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं कि अब सक्रिय नहीं हैं। हालांकि, अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि मोजतबा खामेनेई न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आने के बावजूद देश के प्रशासनिक और रणनीतिक फैसलों में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सामने बोलते हुए रुबियो ने स्पष्ट किया कि ऐसे पुख्ता संकेत मिले हैं कि खामेनेई पर्दे के पीछे से लगातार देश की निर्णय प्रक्रिया में शामिल हैं और ईरान के

सरकारी मामलों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के दौरान खामेनेई घायल हो गए थे, जिसके बाद से वे सार्वजनिक मंचों पर दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का अब मानना है कि वे किसी सुरक्षित स्थान से एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों और अपने बेहद भरोसेमंद नेटवर्क के जरिये सरकारी कामकाज की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

रुबियो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को स्थायी रूप देने की कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन अब भी तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना देख रहा है और हालात कभी भी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट शर्तों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर ईरान प्रतिबंधों में राहत चाहता है, तो उसे हॉर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलना होगा और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर से सभी प्रतिबंध या शुल्क हटाने होंगे। साथ ही ईरान को यह भरोसा देना होगा कि वह हॉर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने में सहयोग करेगा।

इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर दीर्घकालिक सख्त सीमाओं को स्वीकार करे या यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर जल्द कोई समझौता हो सकता है। हालांकि, ईरान ने फिलहाल मध्यस्थों के जरिए चल रही वार्ताओं को रोक रखा है। तेहरान का कहना है कि जब तक लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई बंद नहीं होती, तब तक किसी नई बातचीत का कोई औचित्य नहीं है।

कनाडा में भारत-पाकिस्तान से आने वाले आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में हुआ सुधार

टोरंटो। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटिजनशिप कनाडा ने नए आवेदनकर्ताओं के लिए प्रोसेसिंग टाइम की ताजा जानकारी दी है। पहले से तय समय से तुलना करने पर पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान से आने वाले कई आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में सुधार हुआ है। वहीं, नाइजीरिया और अमेरिका से जुड़े कुछ आवेदन श्रेणियों में प्रतीक्षा अवधि बढ़ी है। वर्क परमिट आवेदनों में पाकिस्तान से आवेदन करने वालों के लिए प्रोसेसिंग टाइम 6 सप्ताह और भारत के लिए 9 सप्ताह किया गया है। कनाडा के अंदर से किए गए आवेदनों की प्रोसेसिंग 212 दिनों से घटकर 206 दिन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया के आवेदकों को बड़ा झटका लगा है। वहां वर्क परमिट की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह से बढ़कर 12 सप्ताह हो गई है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए समय सीमा 5 और 8 सप्ताह है। स्टडी परमिट के मामले में भी पाकिस्तान के आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। वहां प्रोसेसिंग टाइम 11 सप्ताह से घटकर 7 सप्ताह कर दिया गया है। भारत के लिए यह अवधि 4 सप्ताह है। कनाडा के अंदर से किए गए स्टडी परमिट आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह है। वहीं, नाइजीरिया में यह समय 5 सप्ताह से बढ़कर 6 सप्ताह हो गया है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए प्रोसेसिंग टाइम 5 सप्ताह है। विजिटर वीजा आवेदनों में ज्यादातर देशों के लिए प्रोसेसिंग टाइम में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत के लिए यह अवधि 28 दिन कर दी गई है। अमेरिका के लिए 25 और फिलीपींस के लिए 20 दिन कर दी गई है। कनाडा के अंदर से किए गए विजिटर वीजा आवेदनों का प्रोसेसिंग टाइम 11 दिनों से बढ़कर 16 दिन हो गया है। पाकिस्तान के लिए यह अवधि 50 दिनों पर स्थिर रही, जबकि नाइजीरिया में यह 47 दिनों से बढ़कर 48 दिन हो गई। सुपर वीजा श्रेणी में भारत और पाकिस्तान के आवेदकों को सबसे बड़ा फायदा मिला है। भारत के लिए प्रोसेसिंग टाइम 160 दिनों से घटकर 117 दिन कर दिया है। वहीं पाकिस्तान में यह अवधि 107 दिनों से घटकर 75 दिन कर दी है। इसके विपरीत, अमेरिका से किए गए सुपर वीजा आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 103 दिनों से बढ़कर 115 दिन हो गई है। नाइजीरिया में यह समय 35 से बढ़कर 37 दिन हुआ, जबकि फिलीपींस में यह 32 दिनों पर स्थिर रहा।

आयोवा नरसंहारः आखिर सुपरपावर अमेरिका में क्यों नहीं थम रहा खूनी खेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के आयोवा राज्य का मस्कटाइन शहर मंगलवार की सुबह अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। एक ही परिवार के 7 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हमलावर ने खुद को भी उड़ा लिया। पुलिस के मुताबिक, यह खूनी खेल एक घरेलू विवाद का नतीजा था, जिसे 52 वर्षीय रायन विलिस मैकफारलैंड नामक शख्स ने अंजाम दिया। पार्क एवेन्यू के एक घर से शुरू हुआ मौत का यह सिलसिला मिल स्ट्रीट और ग्रैंडव्यू एवेन्यू तक जा पहुंचा। पुलिस ने जब संदिग्ध को घेरा, तो उसने खुद को गोली मार ली। पुलिस भले ही इसे घरेलू मामला बताकर पल्ला झाड़ ले कि अब समुदाय को कोई खतरा नहीं है, लेकिन इस भयावह घटना ने एक बार फिर दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश पर सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है आखिर अमेरिका में बार-बार मास शूटिंग क्यों हो रही है?

हथियारों की सनक या कानून की लाचारी?

आयोवा का यह नरसंहार कोई इकलौती घटना नहीं है। यह अमेरिकी समाज में गहरे धंस चुके गन कल्चर की उस सड़ी हुई हकीकत को बयां करता है, जहां मामूली विवादों का निपटारा भी बंदूकों से किया जाता है। आखिर ऐसा क्यों है कि अमेरिका में हर नागरिक के पास घातक हथियार रखने का अधिकार तो है, लेकिन उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है? हर बड़ी घटना के बाद वहां गन कंट्रोल (हथियार नियंत्रण) पर बहस तो छिड़ती है, लेकिन नतीजा सिफर रहता है। राजनीतिक नफा-नुकसान और हथियार लॉबी के दबाव के आगे अमेरिकी प्रशासन बेबस नजर आता है।

ओबामा की जिस डील पर ट्रंप भड़के थे अब उसी को अपना रहे राष्ट्रपति

-ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में शायद ही कोई ऐसा मुद्दा रहा हो, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा की उतनी तीखी आलोचना की हो, जितनी 2015 की ईरान परमाणु डील को लेकर की थी। ट्रंप ने उस समय जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन को अमेरिकी इतिहास का सबसे खराब समझौता बताया था। साल 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने इस डील से अमेरिका को बाहर निकालकर इसे अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनाया था। लेकिन अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि ईरान के साथ नए समझौते की कोशिशों में ट्रंप को उसी पुराने मॉडल का सहारा लेना पड़ सकता है, जिसे उन्होंने कभी पूरी दुनिया के सामने नाकाम और खतरनाक करार दिया था। यही वजह है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है कि क्या

ट्रंप वास्तव में कोई नई और मजबूत डील बना रहे हैं या सिर्फ पुराने समझौते को ही नए पैकेज में पेश करने की कोशिश हो रही है।

दिलचस्प बात यह है कि ईरान के साथ चल रही मौजूदा बातचीत के कई बिंदु सीधे तौर पर ओबामा युग के जेसीपीओए की याद दिलाते हैं। प्रस्तावित समझौते में युद्धविराम बढ़ाने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने जैसी शर्तें शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अगले 20 साल तक यूरेनियम संवर्धन न करे और कभी परमाणु हथियार विकसित न करने की गारंटी दे, जिसे तेहरान फिलहाल खारिज कर रहा है। ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तब उन्होंने दावा किया था कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं और इस डील ने तेहरान को अरबों डॉलर दिए। लेकिन अमेरिका के पीछे हटने के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर दिया। जहां 2015 की डील के तहत ईरान केवल 3.67 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर सकता था, वहीं आज वह 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम जमा कर चुका है, जो हथियार-ग्रेड स्तर के बेहद करीब है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान वार्ता का पूरा ढांचा ओबामा युग की डील पर ही आधारित नजर आता है। दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि अब इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की बात जोड़ी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप इस बात को लेकर बेहद चिंतित होंगे कि उनकी डील की तुलना ओबामा की डील से न की जाए, क्योंकि उस समझौते को खत्म करना उनके पहले कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान थी। यदि नई डील में भी ईरान को प्रतिबंधों से राहत और जमे हुए अरबों डॉलर तक पहुंच मिलती है, तो ट्रंप के लिए अपने समर्थकों को यह समझाना मुश्किल होगा कि यह समझौता पुराने समझौते से किस तरह अलग और बेहतर है।

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला, 23 की मौत, 90 घायल

- मिसाइल संकट ने बढ़ाई जेलेंस्की की चिंता

कीव (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार देर रात यूक्रेन पर हाल के महीनों का सबसे बड़ा और विनाशकारी हवाई हमला किया है। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों अत्याधुनिक मिसाइलों से कीव सहित पूरे देश को निशाना बनाया गया। इस भीषण हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने इस हमले में 656 ड्रोन और 73 मिसाइलें दागीं। हालांकि, यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई खतरों को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन इसके बावजूद 54 ड्रोन और 33 मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदने में कामयाब रहीं, जिससे कई इलाकों में आवासीय इमारतें जमींदोज़ हो गईं। इस हमले ने यूक्रेन की सबसे बड़ी सैन्य कमजोरी को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो कि पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों की भारी कमी है।

पैट्रियट सिस्टम रूस की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सबसे अचूक माना जाता है, लेकिन यूक्रेन के पास इसकी बेहद सीमित संख्या है। राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने भी खुलकर स्वीकार किया कि मौजूदा हथियार आपूर्ति के सहारे वे इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से तुरंत सैन्य मदद की गुहार लगाई है।

पैट्रियट मिसाइलों की इस किल्लत के पीछे मुख्य वजह अमेरिका की सीमित उत्पादन क्षमता है। अमेरिका इस प्रणाली का मुख्य उत्पादक है, लेकिन उसकी सालाना उत्पादन क्षमता अभी सिर्फ 650 मिसाइलों के आसपास ही है। इसके अलावा, ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा इन मिसाइलों का भारी इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक स्टॉक और कम हो गया है। साथ ही, ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत अमेरिका पहले अपनी आंतरिक सुरक्षा जरूरतें पूरी कर रहा है, जिसके कारण यूक्रेन को आपूर्ति मिलने में देरी हो रही है। बदलते हालात के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र लिखा है। अब तक यूक्रेन सीधे तौर पर तैयार हथियार मांग रहा था, लेकिन अमेरिका के पास घटते स्टॉक को देखते हुए अब जेलेंस्की ने मिसाइलों का प्रोडक्शन लाइसेंस मांगा है। यह कदम यूक्रेन की बढ़ती हताशा के साथ-साथ एक बड़े प्रतीकात्मक बदलाव को भी दिखाता है, जहां कभी हथियार मांगने वाला देश अब खुद निर्माण तकनीक की मांग कर रहा है। रूस इस स्थिति का फायदा उठाकर हमले तेज कर रहा है। यदि पश्चिमी देशों ने जल्द ही बड़े पैमाने पर मदद नहीं भेजी, तो यूक्रेन के शहरों पर तबाही का खतरा और गहरा सकता है।

कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने कर दिया हमला

कुवैत सिटी (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण खाड़ी क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस दावे के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील हो गई है और कुवैत की सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है।
बुधवार को कुवैत के कई हिस्सों में अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुवैत की सेना के जनरल स्टाफ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की।

सेना ने पुष्टि की कि नागरिकों द्वारा सुनी गई धमाकों की आवाजें दरअसल उसके एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के कारण थीं। कुवैती सैन्य अधिकारियों के अनुसार, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आसमान में ही दुश्मन की कई मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट कर उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। कुवैत की सेना ने अपने बयान में कहा, हमारा एयर डिफेंस सिस्टम इस समय दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का कड़ा मुकाबला कर रहा है। यदि आगे भी धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं, तो जनता पैनिक न हो, क्योंकि वे दुश्मन के हवाई हमलों को रोकने के लिए की जा रही जवाबी सैन्य कार्रवाई का ही परिणाम हैं।

इस हवाई कार्रवाई के बाद कुवैती सैन्य अधिकारियों ने नागरिकों और वहां रह रहे प्रवासियों के लिए एक सख्त एडवायजरी जारी की है। लोगों को हिदायत दी गई है कि वे आसमान से गिरने वाले किसी भी मलबे, छर्रों या अज्ञात वस्तुओं के पास बिल्कुल न जाएं, क्योंकि ये खतरनाक और जानलेवा हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु के दिखने पर तुरंत 112 आपातकालीन हॉटलाइन पर सूचित करें। साथ ही, उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ, ईरान के सरकारी मीडिया ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई फारस की खाड़ी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और केश्म द्वीप पर अमेरिका द्वारा की गई शत्रुतापूर्ण हरकतों का सीधा बदला है। हालांकि, इन हमलों में अमेरिकी ठिकानों को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल कुवैत की सेना पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

700 मर्दों ने किया दुष्कर्म- ब्रिटिश सांसद ने संसद में बताया पीड़िताओं का दर्द

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कथित तौर पर सक्रिय रहे ग्रूमिंग गैंग और बाल यौन शोषण के मामलों को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाले और बेहद दर्दनाक खुलासे हुए हैं। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में दिए गए अपने संबोधन में कई पीड़िताओं की गवाहियों का हवाला देते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक संगठित गिरोहों ने नाबालिग लड़कियों का बेरहमी से यौन शोषण किया और इस पूरी अवधि के दौरान प्रशासनिक व संस्थागत स्तर पर भी गंभीर लापरवाहियां और विफलताएं देखने को मिलीं।

सांसद रूपर्ट लोव ने संसद के सामने इन मामलों को रखते हुए कहा कि एक स्वतंत्र जांच के दौरान जो गवाहियां सामने आईं, वे इतनी भयावह थीं कि उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने लाना बेहद जरूरी था। उन्होंने संसद से पूरी ईमानदारी के साथ अपील की कि इन बहादुर पीड़िताओं की आवाज को अनसुना न किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सरकार की पूर्व जांच रिपोर्टों और इन गवाहियों के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले इन आपराधिक गिरोहों में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के कुछ टैक्सी ड्राइवर और दुकानदार शामिल थे। संसद में पेश की गई इन गवाहियों में गंभीर यौन शोषण, बेहद कम उम्र में जबरन प्रेगनेंसी, डराने-धमकाने और स्थानीय पुलिस के कथित दुर्व्यवहार का जिक्र किया गया है। लोव ने कहा कि दुनिया को वह सब सुनना चाहिए जो स्वतंत्र रेप गैंग जांच की दो हफ्तों की सुनवाई के दौरान सामने आया है।

संसद में जो गवाहियां रखी गईं, उनमें से एक पीड़िता ने अपनी दर्दनाक आपबीती बताते हुए कहा कि जब वह महज 12-13 साल की थी, तब उसके साथ अमानवीय तरीके से जबरदस्ती की गई। वहीं, एक अन्य पीड़िता की गवाही के अनुसार, आरोपियों द्वारा नस्लवादी टिप्पणियां भी की जाती थीं। एक अन्य दिल दहला देने वाले बयान में पीड़िता ने दावा किया कि जब वह 13 साल की थी, तब से लेकर अगले तीन सालों के दौरान सैकड़ों अलग-अलग पुरुषों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि बंधक बनाकर रखी गई लड़कियों को अमानवीय स्थितियों में पिंजरों तक में बंद करके रखा जाता था।

इस पूरे ग्रूमिंग गैंग पैटर्न की बात करें तो वर्ष 2025 में रूपर्ट लोव के नेतृत्व में हुई एक निजी जांच के दौरान पूरे यूके के कम से कम 85 इलाकों में इस तरह के गैंग आधारित बाल यौन शोषण की पहचान की गई थी। जांच रिपोर्टों के मुताबिक, इस नेटवर्क में एक खास पैटर्न और सरकारी संस्थाओं की घोर लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन में इस तरह के ग्रूमिंग गैंग्स का इतिहास पुराना रहा है। सबसे पहले 2002 में वेस्ट यॉर्कशायर के कीथली क्षेत्र से ऐसी चेतावनी सामने आई थी। इसके बाद साल 2010 में साउथ यॉर्कशायर के रॉदरहैम में कम उम्र की लड़कियों के साथ हुए अपराधों के मामले में एक समूह को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद इस पूरे संगठित नेटवर्क और इसके तौर-तरीकों का देशव्यापी खुलासा हुआ था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.